आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 95 | उज्जैन, मंगलवार 25 फरवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा जीआईएस-2025 का शुभारंभ प्रदेशवासियों के लिये गौरवशाली क्षण

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी और झीलों की नगरी भोपाल में सोमवार को नया इतिहास रचा गया है। हमारे लिए यह गौरव की बात है कि 8 वीं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 के इस ऐतिहासिक समागम का शुभारंभ हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद के साथ हुआ है। ये दो दिन मध्यप्रदेश की प्रगति और विकास के नये आयाम स्थापित करेंगे। इस वर्ष की थीम है 'अनंत संभावनाएँ', जो मध्यप्रदेश में उद्योग और निवेश की असीमित संभावनाओं को दर्शाती है। इन्वेस्टर्स समिट के रूप में निवेश मनीषियों का यह समागम अनंत संभावनाओं के साथ विकास का नया इतिहास लिखने जा रहा है। हमारे लिये सौभाग्य की बात है कि

राजा भोज की नगरी भोपाल अपने गौरवशाली अतीत के साथ भविष्य की स्वप्निल उड़ान के लिये तैयार है।

हमें अति प्रसन्नता है कि दुनिया के सबसे बड़े गणतंत्र के सबसे बड़े नायक, यशस्वी प्रधानमंत्री स्वयं इस समिट के साक्षी बने और उन्होंने मध्यप्रदेश को स्वर्णिम विकास का आशीर्वाद दिया। समिट में अनेक देशों के प्रतिनिधि, उद्योग जगत के प्रमुख उद्योगपति, निवेशक बंधु, मध्यप्रदेश के प्रवासी मित्र आदि शामिल हुए हैं। मैं इस समिट में पधारे सभी निवेशकों का अपने ह्दय की गहराइयों से मध्यप्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता की ओर से स्वागत करता हूं।हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। उनके नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। आज पूरी दुनिया में भारत और भारतवासियों का सम्मान बढ़ा है। प्रधानमंत्री जी का संकल्प है कि वर्ष 2047 तक भारत आर्थिक और सामरिक रूप से विश्व में सर्वश्रेष्ठ शक्ति बने। प्रधानमंत्री जी के इस संकल्प के अनुरूप ही मध्यप्रदेश ने विकास की रूपरेखा तैयार की है। विकास का यह स्वरूप विरासत के साथ वैश्विक भी है।मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि यशस्वी प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से हम एक वर्ष पहले निवेश और औद्योगिक विकास की यात्रा पर निकले। मध्यप्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। यह जल, वन,खनिज,पुरा और कृषि संपदा से समृद्ध है। विविधता से संपन्न प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है, क्षमता है, मेधा है और आवश्यकता है। इसी को केन्द्र में रखकर हमने पहली बार सबसे पहले रीजनल इन्वेस्टर्स समिट का नवाचार किया।

अमेरिका से निकाले गए 12 भारतीय दिल्ली पहुंचे, पनामा के होटल में कैद थे सभी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 12 भारतीय प्रवासियों को लेकर एक विमान नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। इन भारतीयों को पनामा से लाया गया है। अमेरिका अपने यहां पकड़े गए अवैध लोगों को पनामा में शिफ्ट कर रहा है। इसके बाद वहां से उनके देश भेजा जा रहा है।

पनामा से भारत आने वाली यह पहली फ्लाइट है। अधिकारियों के मुताबिक इनमें से चार लोग पंजाब के रहने वाले हैं। हरियाणा और उत्तर प्रदेश के तीन-तीन युवक शामिल हैं। पहले तीन जत्थों में अमेरिका 332 भारतीयों को वापस भेज चुका है। अब तक कुल 344 भारतीय को वतन भेजा जा चुका है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पनामा से इन 12 भारतीयों को तुर्की एयरलाइंस की फ्लाइट से नई दिल्ली लाया गया है। इसके बाद पंजाब के रहने वाले चार लोगों को एक अन्य फ्लाइट से अमृतसर भेजा गया है।

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने हाल ही में अपने देश से निर्वासित लगभग 300 अप्रवासियों को पनामा के होटल में ठहराया है। यहां से उन्हें उनके देश भेजने की तैयारी चल रही है। कोस्टा रिका, पनाना और निकारागुआ अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने में अमेरिका के साथ मिलकर काम करने में जुटे हैं।

9 साल के रिश्ते के बाद गर्लफ्रेंड के सामने आई लड़के की सच्चाई, प्यार ठुकराने पर बॉयफ्रेंड ने कर दिया बड़ा कांड

नई दिल्ली (एजेंसी)। कहा जाता है कि जिसे सच्चा प्यार हो जाए, तो वो इंसान किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार रहता है। लेकिन इतना भी तैयार रहना सही नहीं, जिसके बाद इंसान को जेल जाना पड़ जाए। बेंगलुरु से एक मामला सामने आया है, जहां लड़की के ठुकराने के बाद प्रेमी ने बड़ा कांड कर दिया है।

बेंगलुरु में एक कपल के बीच 9 सालों से प्यार चल रहा था और दोनों एक दूसरे से प्यार करते थे। लेकिन जब युवती को ये पता चला कि जिस इंसान से वो प्यार करती है, वो एक बदमाश है और पुलिस की लिस्ट में हिस्ट्रीशीटर है, तो युवती ने अपना प्यार ठुकरा दिया और युवक से दूरी बना ली।

घर पहुंचकर गाड़ियों में लगाई आग- इसके बाद युवक काफी गुस्सा हो गया और फिर वो युवती के घर पहुंच गया और गाड़ियों में आग लगा दी। घटना बेंगलुरु के चन्नमनाकेरे अचुकट्टू पुलिस स्टेशन के पास की है। आरोपी की पहचान राहुल नाम के युवक के रूप में हुई है और वह एक बदमाश है।

युवकी द्वारा प्यार ठुकराने के बाद आरोपी राहुल उसके घर गया और युवती को चेतावनी दी की वो उसके अलावा किसी और से शादी न करे।

आप कैसे रिश्ते चाहते हैं... यह खुद ही तय करें, विदेश मंत्री जयशंकर ने बांग्लादेश को दिया अल्टीमेटम

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेख हसीना के देश छोड़ने और मोहम्मद यूनुस के सत्ता में आने के बाद से भारत और बांग्लादेश के बीच रिश्ते तनाव भरे हैं। हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा पर भारत बेहद मुखर है। वहीं बांग्लादेश की अंतरिम सरकार भारत से रिश्ते बिगड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

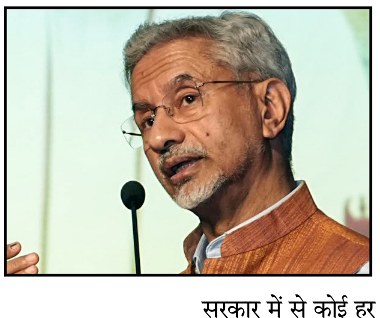

हाल ही में ओमान में भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन से मुलाकात की थी। मगर बांग्लादेश सुधर नहीं रहा है। मुलाकात से लगभग एक हफ्ते बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने बांग्लादेश के शत्रुतापूर्ण व्यवहार का मुद्दा उठाया।

अब नहीं चलेगा दोहरा रवैया- विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि बांग्लादेश को तय करना होगा कि वह हमारे साथ कैसा रिश्ता रखना चाहते हैं? बांग्लादेश के साथ हमारा लंबा और बेहद खास इतिहास 1971 से चला आ रहा है। विदेश मंत्री ने कहा कि बांग्लादेश यह नहीं कह सकता है कि वह भारत से अच्छे रिश्ते चाहता है और दूसरी तरफ वहां होने वाली घर घटना का दोष भारत पर मढ़ता रहे।

उन्होंने कहा कि अंतरिम सरकार में से कोई हर दिन खड़े होकर हर चीज के लिए भारत को दोषी नहीं ठहरा सकता है। इस संबंध में फैसला बांग्लादेश को लेना है। विदेश मंत्री ने कहा कि अगर आप रिपोर्ट देखें तो कई चीजें बेहद हास्यास्पद हैं।

तो इस वजह से बिगड़ रहे रिश्ते- विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों में आने वाली दिक्कत के पीछे दो पहलू हैं। पहला अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने वाली सांप्रदायिक हिंसा है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक के खिलाफ हिंसा की बाढ़ आई है। निश्चित तौर पर इसने हमारी सोच को प्रभावित किया है।

शिवराज के बाद अब सुनील जाखड़ को विमान में मिली टूटी सीट

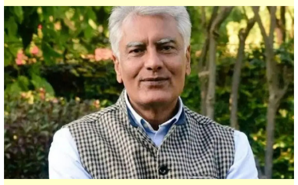

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा भोपाल-दिल्ली एयर इंडिया की उड़ान में उन्हें आवंटित टूटी सीट दिखाए जाने के बाद अब पंजाब भाजपा के प्रमुख सुनील जाखड ने चंडीगढ़-दिल्ली उड़ान की टूटी सीटों की तस्वीरें साझा की हैं।

टूटी सीट पर बैठे पंजाब भाजपा अध्यक्ष- चौहान को टूटी सीट पर शनिवार को बैठना पड़ा था परंतु सुनील जाखड़ उनसे पहले 27 जनवरी को ऐसे अनुभव से गुजर चुके थे। जाखड़ ने एक्स पर लिखा-%ऐसा लगता है कि टूटी सीटें, जैसा कि शिवराज चौहानजी ने बताया है, एयर इंडिया का विशेष अधिकारक्षेत्र नहीं हैं।

27 जनवरी को इंडिगो की चंडीगढ़-दिल्ली उड़ान की कुछ तस्वीरें यहां हैं जिनमें कई सीटों पर ढीले कुशन लगे हुए हैं और सुरक्षा नियमों के अनुरूप नियमित रूप से फिट की गई सीटें नहीं हैं। केबिन क्रू ने हमेशा की तरह इस बारे में कुछ भी करने में असमर्थता जताई और कहा कि मुझे कंपनी की वेबसाइट पर शिकायत करनी चाहिए।

भाजपा नेता ने आगे इंडिगो, डीजीसीए व नागरिक उड्डयन मंत्री को टैग करते हुए कहा कि मैं ढीले कुशन या सीट के आराम को लेकर चिंतित नहीं हूं।

डीजीसीए को लिखा पत्र- चौहान ने आगे कहा मैं इसलिए लिख रहा हूं ताकि डीजीसीए यह सुनिश्चित करे कि इन दो प्रमुख एयरलाइनों का चलता है रवैया विमान की सर्विसिंग व रखरखाव के सुरक्षा मानदंडों के पालन तक न फैल जाए।

पेट्रोल पंपों के आसपास भूजल और मिट्टी की जांच हुई अनिवार्य, ये है इसके पीछे का कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेट्रोल पंपों के टैंक से होने वाले रिसाव से भू-जल और मिट्टी में जहर न घुले, इसके लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने सख्त रुख अख्तियार किया है। देशभर के पेट्रोल पंपों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की है।

इसमें पंपों के आसपास के भूजल व मिट्टी की जांच को अनिवार्य किया गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक, पेट्रोलियम पदार्थों में कई प्रकार के हानिकारक तत्व होते हैं, जो भूजल और मिट्टी में मिलने पर मानव स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव डाल सकते हैं।

नई दिल्ली स्टेशन पर भगदड़ से रेलवे ने लिया सबक, भीड़ नियंत्रण के उपायों का किया सफल परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलवे ने शनिवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़ नियंत्रण के उपायों का सफल परीक्षण किया। इसके तहत बिना आरक्षण वाले यात्रियों की आवाजाही को एक ही प्लेटफार्म नंबर 16 तक सीमित कर दिया गया और जब मांग बढ़ी तो महाकुंभ के लिए विशेष ट्रेनों को उसी प्लेटफार्म से चलाया गया।

नई दिल्ली से पांच विशेष ट्रेनें चलाई गईं- महाकुंभ के लिए यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए शनिवार शाम को नई दिल्ली से पांच विशेष ट्रेनें चलाई गईं। मालूम हो कि पिछले दिनों नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में 18 यात्रियों की मृत्यु हो गई थी और कई घायल हुए थे।

रेलवे के मुताबिक, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ स्नान के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती ही जा रही है। शनिवार शाम छह बजे से लेकर 11 बजे रात के मध्य 13 हजार 105 यात्रियों ने यहां से प्रयागराज के लिए ट्रेन पकड़ी।

अश्विनी वैष्णव ने खुद रखी नजर- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव स्वयं रेलवे बोर्ड के वार रूम से स्थिति नजर रखे हुए थे और रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ सतीश कुमार व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को लगातार दिशा-निर्देश दे रहे थे। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा इस दौरान नई दिल्ली स्टेशन पर बने मिनी कंट्रोल रूम में थे।

मंत्री वैष्णव ने रविवार शाम को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का दौरा किया और व्यवस्थाओं और यात्री सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि प्रयोग सफल साबित हुआ क्योंकि इससे अन्य प्लेटफार्मों पर भीड़भाड़ नहीं हुई और महाकुंभ जाने वाले श्रद्धालुओं की निर्बाध प्रस्थान सुनिश्चित हुआ।

बिना आरक्षण वाले टिकटों की बिक्री की निगरानी- उधर, उत्तर रेलवे के सीपीआरओ हिमांशु उपाध्याय ने बताया कि शनिवार दोपहर 2.30 बजे से रात 11.30 बजे तक हमने हर आधे घंटे में बिना आरक्षण वाले टिकटों की बिक्री की निगरानी की। देखा कि 2.30 बजे से तीन बजे के बीच 969 टिकट बेचे गए। यह संख्या अगले 30 मिनट में घटकर 466 हो गई और शाम सात बजे तक 400 से 1,100 के बीच झूलती रही।

बांग्लादेश में एयरबेस पर भीड़ का हमला, जवानों ने की कई राउंड फायरिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में वायुसेना के एयरबेस पर घात लगाकर बड़ा हमला किया गया है। यह एयरबेस कॉक्स बाजार में स्थित है। बांग्लादेश की वायुसेना के जवान कार्रवाई में जुटे हैं। कई लोगों के घायल होने की खबर है।

बांग्लादेश सशस्त्र बलों के मीडिया प्रभाग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि कॉक्स बाजार में वायुसेना बेस से सटे समिति पारा के कुछ बदमाशों ने घात लगाकर हमला किया है। बांग्लादेश वायुसेना आवश्यक कार्रवाई में जुटी है। वायुसेना के जवानों ने स्थानीय समयानुसार सुबह 11:30 बजे प्रदर्शनकारियों पर कई राउंड फायरिंग की है। हमले में एक युवक की जान गई है।

इस वजह से हुआ हमला

एक स्थानीय पत्रकार के मुताबिक डिप्टी कमिश्नर ने समिति पारा के लोगों से वायुसेना क्षेत्र छोड़ने और खुरुशकुल हाउसिंग प्रोजेक्ट में जाने का आदेश दिया था। इसके बाद लोगों के एक समूह ने एयरबेस पर हमला कर दिया।

बांग्लादेश में वायुसेना के एयरबेस पर घात लगाकर बड़ा हमला किया गया है। यह एयरबेस कॉक्स बाजार में स्थित है। बांग्लादेश की वायुसेना के जवान कार्रवाई में जुटे हैं। कई लोगों के घायल होने की खबर है।

बांग्लादेश सशस्त्र बलों के मीडिया प्रभाग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि कॉक्स बाजार में वायुसेना बेस से सटे समिति पारा के कुछ बदमाशों ने घात लगाकर हमला किया है। बांग्लादेश वायुसेना आवश्यक कार्रवाई में जुटी है। वायुसेना के जवानों ने स्थानीय समयानुसार सुबह 11:30 बजे प्रदर्शनकारियों पर कई राउंड फायरिंग की है। हमले में एक युवक की जान गई है।

इस वजह से हुआ हमला

एक स्थानीय पत्रकार के मुताबिक डिप्टी कमिश्नर ने समिति पारा के लोगों से वायुसेना क्षेत्र छोड़ने और खुरुशकुल हाउसिंग प्रोजेक्ट में जाने का आदेश दिया था। इसके बाद लोगों के एक समूह ने एयरबेस पर हमला कर दिया।

बीएनपी नेता की हुई हत्या- पिछले हफ्ते बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के नेता मोहम्मद बाबुल मिया की बदमाशों ने बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। बेखौफ बदमाशों ने पत्नी के सामने बीएनपी नेता को मौत के घाट उतारा था।

मारने से पहले उनकी दोनों आंखें भी फोड़ दी थी। बीएनपी के शीर्ष नेता शम्सुज्जमां दुदु ने कहा था कि अंतरिम सरकार में कार्यकर्ताओं की हत्या की जा रही है। अगर दोषियों को सजा नहीं दी गई तो लोगों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं में असंतोष बढ़ेगा।

54 साल में पहली बार बांग्लादेश में होने जा रहा कुछ ऐसा! ढाका पहुंचेंगे पाकिस्तान के कारोबारी, जानिए क्या है वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। 54 वर्ष पहले एक स्वतंत्र देश के रूप में अस्तित्व में आने वाले बांग्लादेश में गत अगस्त में शेख हसीना की अगुआई वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद पाकिस्तान को लेकर इस देश के रुख में बड़ा बदलाव आया है।

मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पाकिस्तान के साथ लगातार निकटता बढ़ा रही है। हाल ही में दोनों देशों के बीच पहली बार सीधा व्यापार शुरू हुआ है। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि दोनों देश अपने संबंधों को प्रगाढ़ करने में जुटे हैं।

ढाका में आयोजित होगी प्रदर्शनी- विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने बताया, पाकिस्तानी कारोबारियों का एक प्रतिनिधिमंडल ढाका आ रहा है, जो यहां अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेगा। यह प्रदर्शनी ढाका के गुलशन क्लब में लगेगी। दोनों देशों के बीच सीधा व्यापार शुरू होने से कारोबार बढ़ने की संभावना है।

बता दें कि हिंसक छात्र आंदोलन के चलते गत अगस्त में हसीना सरकार के पतन के बाद अंतरिम सरकार बनी थी। गत दिसंबर में काहिरा में एक सम्मेलन से इतर मोहम्मद यूनुस ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की थी।

दोनों के बीच कारोबार समेत विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ाने को लेकर चर्चा हुई थी। बता दें कि पाकिस्तानी सेना के खिलाफ नौ महीने के खूनी संघर्ष के बाद 1971 में बांग्लादेश बना था। भारत ने मुक्ति संग्राम के दौरान बांग्लादेश की मदद की थी।

बर्बाद हो जाएगा अमेरिका का ये राज्य, एलन मस्क ने दी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेक अरबपति एलन मस्क ने चेतावनी दी है कि अगर महत्वपूर्ण बदलाव नहीं किए गए तो कैलिफोर्निया के दिवालिया होने का खतरा है। एक्स पर एक पोस्ट में, मस्क ने स्थिति की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा, कैलिफोर्निया दिवालिया हो जाएगा।

टेक अरबपति ने एक एक्स यूजर की पोस्ट को उजागर किया जिसमें लिखा था, हमें @DOGE कैलिफोर्निया की आवश्यकता है। कृपया जल्द से जल्द। @elonmusk। खैर मस्क ने कैलिफोर्निया को लेकर किए गए अपने एलान के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया। उनकी चेतावनी राज्य के वित्तीय संघर्षों के बारे में चल रही चिंताओं से मेल खाती है। कैलिफोर्निया को बढ़ते बजट को घाटे का सामना करना पड़ रहा है, गवर्नर गेविन न्यूजॉम ने हाल ही में 68 बिलियन से अधिक की कमी को दूर करने की योजना का एलान किया था। मस्क ने 2021 में टेस्ला के मुख्यालय को कैलिफोर्निया से टेक्सास ट्रांसफर कर दिया। उन्होंने अक्सर राज्य की नीतियों की आलोचना की है, विशेष रूप से कराधान, ऊर्जा प्रबंधन और कॉर्पोरेट विनियमन पर। एलन मस्क ने चेतावनी दी कि कटौती के बिना अमेरिका दिवालिया हो जाएगा।

लाखों ने गंवाई जान, चौपट हुई अर्थव्यवस्था, युद्ध ने बदल दी रूस-यूक्रेन की तस्वीर और तकदीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन युद्ध को तीन साल हो गए हैं। लेकिन लड़ाई के पीछे की सच्चाई अब ज्यादा सामने आ रही है। यूक्रेन न केवल एक युद्ध क्षेत्र बन गया है बल्कि अब वह अमेरिकी कंपनियों के लिए एक लूट का मैदान भी बन चुका है। यूक्रेन को अब यकीन नहीं है कि वह वित्तीय और सैन्य प्रतिबद्धता के लिए अपने सबसे मजबूत सहयोगी संयुक्त राज्य अमेरिका पर और अधिक भरोसा कर सकता है।

यह शुरू से ही स्पष्ट था कि यूक्रेन में पुतिन का युद्ध वैश्विक आर्थिक आपदा साबित होगा। सीमा के दोनों ओर जारी मुद्रास्फीति के आंकड़ों से पता चलता है कि संघर्ष का दोनों पड़ोसियों के नागरिकों पर लगातार असर पड़ रहा है - रूस में कीमतों में 9.5 प्रतिशत और यूक्रेन में 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

रूस-यूक्रेन की GDP पर भारी असर- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आंकड़ों के अनुसार, युद्ध की शुरुआत में रूस की जीडीपी -1.3 प्रतिशत तक गिर गई थी, लेकिन उसके बाद से पिछले दो सालों में 3.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

फ्रांस में Russia के वाणिज्यिक दूतावास पर हमला, परिसर में फेंका गया पेट्रोल बम; रूस बोला- ये आतंकी घटना

नई दिल्ली (एजेंसी)। फ्रांस के मार्सिले में स्थित रूस के वाणिज्यिक दूतावास में विस्फोट हुआ है। बेलारूस की मीडिया में दावा किया जा रहा है कि किसी अज्ञात शख्स ने वाणिज्यिक दूतावास के परिसर में मौजूद गार्डन में दो मोलोतोव कॉकटेल (पेट्रोल बम) फेंके हैं।

हालांकि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अटैक वाली जगह पर एक चोरी की कार भी बरामद हुई है। घटनास्थल पर फायरमैन मौजूद हैं। फ्रांस के गृह मंत्रालय ने दावा किया है कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

रूस ने माना आतंकी घटना- रूस ने फ्रांस के अधिकारियों से मामले की जांच करने की मांग की है। रूस ने कहा है कि यह आतंकी घटना लगती है। रूस की तरफ से घटना पर फ्रांस का ध्यान दिलाने के लिए हर संभव कोशिश की जा रही है।

हालांकि फ्रांस पुलिस की तरफ से अभी तक रूसी वाणिज्यिक दूतावास में किसी विस्फोट को कन्फर्म नहीं किया गया है। आपको बता दें कि मार्सिले में ही पीएम मोदी ने अपने हालिया दौरे के वक्त भारतीय वाणिज्यिक दूतावास का उद्घाटन किया था।

यूक्रेन पर हमले को 3 साल पूरे- रूस ने यूक्रेन पर 24 फरवरी 2022 को हमला किया था। आज इसे तीन साल पूरे हो गए। रूस के वाणिज्यिक दूतावास पर हमले के लिए भी यही दिन चुना गया। बताया जा रहा है कि हमले के लिए फेंका गया दूसरा डिवाइस फटा नहीं। इसके बाद बम डिस्पोजल एक्सपर्ट को मौके पर बुलाया गया।

रूस-यूक्रेन युद्ध के 3 साल- सभी कैदियों को छोड़ देंगे, लेकिन..., जेलेंस्की ने रूस के सामने रखी ये शर्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन युद्ध को आज तीन साल पूरे हो गए हैं। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक शिखर सम्मेलन में युद्ध को लेकर कई बातें बोली हैं। जेलेंस्की ने संघर्ष को समाप्त करने की प्रक्रिया की शुरुआत के रूप में रूस के साथ सभी युद्धबंदियों की पूर्ण अदला-बदली का प्रस्ताव रखा।

जेलेंस्की ने कहा, रूस को यूक्रेनियों को रिहा करना चाहिए। यूक्रेन सभी के बदले सभी को छोड़ने के लिए तैयार है, और यह शुरुआत करने का एक सही तरीका है।

तीन साल में क्या-क्या हुआ- आज ही के दिन पुतिन की सेना ने बड़ा हमला करते हुए यूक्रेन में युद्ध छेड़ दिया था। यह अलग बात रही कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उस युद्ध को एक मिलिट्री ऑपरेशन बताया था, तब तो उनकी तरफ से 72 घंटे में पूरे यूक्रेन पर कब्जा करने की बात भी हुई थी। लेकिन अब जब तीन साल हो चुके हैं, इस युद्ध में ना रूस जीता है और ना ही अभी तक यूक्रेन हारा है।

यह एक ऐसा युद्ध रहा है जहां पर यूक्रेन को पश्चिमी देशों का लगातार समर्थन मिला और रूस अपनी सैन्य क्षमता की दम पर लगातार काउंटर ऑपरेशन चलाता रहा।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आंकड़ों के अनुसार, युद्ध की शुरुआत में रूस की जीडीपी -1.3 प्रतिशत तक गिर गई थी, लेकिन उसके बाद से पिछले दो सालों में 3.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।अब रूसी अर्थव्यवस्था में ठंडक के दिखाई दे रहे हैं, उच्च ब्याज दरों और महंगाई के कारण विभिन्न क्षेत्रों में बिक्री और ऑर्डर में गिरावट आ रही है।

न कोई यात्री, न विमान... PAK ने क्यों बना डाला 24 करोड़ डॉलर का वीरान एयरपोर्ट; क्या है चीन की चाल?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्थिक दिवालियापन का सामना कर रहे पाकिस्तान ने कुछ सालों पहले ग्वादर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन किया था। उद्घाटन के मौके पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा था कि ग्वादर एयरपोर्ट बनने से न केवल बलूचिस्तान बल्कि पूरे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को फायदा मिलेगा।

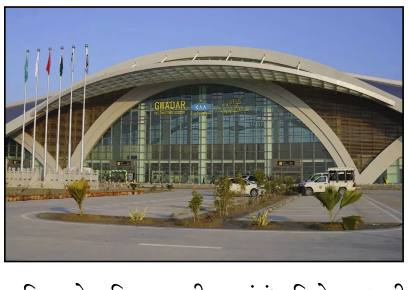

अक्टूबर 2024 में बनकर तैयार हुआ ग्वादर एयरपोर्ट पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में स्थित है जो बेहद ही गरीब और अशांत इलाका है। चीन ने यह एयरपोर्ट पाकिस्तान के साथ हुए चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के तहत बनाया है। अरबों डॉलर का यह प्रोजेक्ट चीन के पश्चिमी शिनजियांग प्रांत को अरब सागर के जरिए पाकिस्तान से जोड़ेगा।

एयरपोर्ट बनाने के पीछे क्या है चीन की चाल?

गौरतलब है कि ग्वादर एयरपोर्ट का उद्घाटन तो हो गया है, लेकिन वहां न तो विमान दिख रहे हैं और न ही कोई यात्री।

सवाल ये है कि धूल फांक रहे इस एयरोपर्ट को पाकिस्तान-चीन ने मिलकर बनाया क्यों? इसका जवाब पाकिस्तान-चीन संबंधों के विशेषज्ञ और अंतरराष्ट्रीय संबंध विशेषज्ञ अजीम खालिद ने दी। समाचार एजेंसी एपी से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा, यह हवाई अड्डा पाकिस्तान या ग्वादर के लिए नहीं है बल्कि चीन के लिए है। चीन का उद्देश्य है कि वो अपने नागरिकों को ग्वादर और बलूचिस्तान तक सुरक्षित रास्त प्रदान कर सकें।

बलूचिस्तान प्राकृतिक संसाधनों से संपन्न और रणनीतिक रूप से काफी अहम है। यह बात चीन और पाकिस्तान दोनों जानते हैं। चीन ने इस इलाके में कई प्रोजेक्ट भी शुरू किए हैं।

कौन हैं दीपक गुप्ता जिसके फैन हो गए ऋतिक रोशन, कई एक्ट्रेस भी कर रहीं तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक कहावत है जहां चाह है, वहां राह है, इस कहावत को सच कर दिखाया है मुंबई के रहने वाले दीपक गुप्ता नाम के शख्स ने। दीपक का हमेशा से सपना था की वो किसी बड़े फैशन ब्रांड के लिए मॉडलिंग करें, लेकिन कई मौकों पर उन्हें ऐसा बोला गया कि वह कभी भी Louis Vuitton के मॉडल नहीं बन सकते हैं।

अब दीपक ने उन्हें ऐसा कहने वालों का मुंह बंद करा दिया है और अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। दीपक ने न केवल Louis Vuitton के लिए न केवल वॉक किया, बल्कि Burberry और Armani जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड्स के लिए रैंप पर जलवा भी बिखेरा।

इंस्टाग्राम पर वीडियो किया शेयर - हाल ही में दीपक गुप्ता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने संघर्ष और सफलता की झलक दिखाई है। वीडियो के साथ दीपक ने एक टेक्स्ट भी डाला है, जिसमें लिखा है, "You Can Never Be A Louis Vuitton Model"। ये ऐसे शब्द थे जो उनके आलोचक उनको बोला करते थे, लेकिन आज की कहानी कुछ और ही है दीपक के लिए। वीडियो में दीपक का जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन और लूई वीटॉन के लिए उनक पहला वॉक दिखाया जाता है। उन्होंने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, "Because Why Not" यानी क्यों नहीं? दीपक की मेहनत ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है, वीडियो देखकर ये साफ पता चल रहा है।

बॉलीवुड सितारे भी दीपक से हुए प्रभावित- दीपक के इस वीडियो ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है और अब तक इस वीडियो को 36 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है। फैशन लवर्स के साथ-साथ बॉलीवुड के कई सितारे भी दीपक की इस उपलब्धि से काफी प्रभावित दिखे।

तेलंगाना में 48 घंटे से सुरंग में फंसे 8 मजदूर, अब रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल हुई सिलक्यारा टनल वाली टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। 48 घंटे से अधिक समय से आठ लोग तेलंगाना की श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल सुरंग में फंसे हैं। कीचड़ की वजह से राहत एवं बचाव अभियान में बाधा पहुंच रही है। भारतीय सेना की एक टीम भी घटनास्थल पर पहुंच चुकी है।

उत्तराखंड के सिलक्यारा सुरंग से मजदूरों को सफलतापूर्वक निकालने वाली टीम के छह सदस्य भी तेलंगाना पहुंच चुके हैं। टीम के सदस्य बचाव अभियान में जुटे हैं। सेना ने सिकंदराबाद के बाइसन डिवीजन के इंजीनियर टास्क फोर्स को तैनात किया गया है।

सुरंग में क्या कर रहे थे मजदूर- तेलंगाना के नगरकुरनूल जिले में 44 किमी लंबी सुरंग बनाई जा रही है। इस सुरंग में लगभग 14 किमी अंदर पानी का रिसाव हो रहा था। मजदूरों और इंजीनियरों की एक टीम इसे रोकने में जुटी थी। तभी सुरंग का लगभग तीन मीटर लंबा हिस्सा ढह गया।

सुरंग में कितने लोग थे- चार मजदूर और सुरंग निर्माण में लगी कंपनी के चार कर्मचारी अंदर फंस गए। हादसे के वक्त मौके पर कुल 50 लोग मौजूद थे। हालांकि बाकी लोग वहां से बचकर निकलने में कामयाब रहे। बता दें कि हादसे से चार दिन पहले ही सुरंग निर्माण का काम दोबारा शुरू किया गया था।

असम सीएम हिमंत ने सियोल में दक्षिण कोरियाई सीईओ को किया निवेश के लिए आमंत्रित

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को सियोल में एडवांटेज असम रोड शो में दक्षिण कोरियाई मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) और व्यापार जगत के नेताओं को संबोधित किया।

अपने संबोधन में असम के सीएम ने व्यापार जगत के नेताओं को राज्य में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि जब भी हम असम में कुछ लगाने का फैसला करते हैं तो हम पूरी सुविधा देते हैं। इसके अलावा भारत सरकार भी हमें पूरा सपोर्ट करती है क्योंकि सरकार की एक्ट ईस्ट नीति है। इस नीति को पीएम मोदी ने शुरू किया है। इसका उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास करना है। उन्होंने कहा कि सरकार की कई नीतियां हैं जो पूर्वोत्तर क्षेत्र में औद्योगीकरण को केंद्रित और बढ़ावा दे रही हैं।

सीएम ने कहा कि असम के पास लोकेशन का फायदा है। मैं आप सभी को आमंत्रित करना चाहूंगा कि कृपया 25 और 26 फरवरी को असम आएं। दो दिनों में एडवांटेज असम शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। असम सरकार ने भारतीय उच्चायोग के साथ साझेदारी में लंदन में असम निवेश रोड शो की मेजबानी की। इससे पहले, राज्य ने दुबई में इसी तरह का निवेश रोड शो आयोजित किया था। वित्त वर्ष 2023 में, असम ने अपने सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में साल दर साल 19.5 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की।

मंदिर उत्सव के निमंत्रण में जाति लिखने की जरूरत नहीं, मद्रास हाई कोर्ट ने मंदिर कमेटी को दिया यह आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै खंडपीठ ने हाल ही में एक मंदिर उत्सव के निमंत्रण से एक एससी समुदाय को इस आधार पर बाहर करने की आलोचना की कि उन्होंने इस आयोजन के लिए कोई पैसा दान नहीं किया था।

कोर्ट ने अधिकारियों को भविष्य में संबंधित मंदिर के निमंत्रणों में किसी भी जाति के नाम का उल्लेख नहीं करने का आदेश दिया।

न्यायमूर्ति एमएस रमेश और न्यायमूर्ति एडी मारिया क्लेट की पीठ ने नाडुविकोट्टई आदि द्रविड़ कल्याण संघ के अध्यक्ष केपी सेल्वराज द्वारा दायर याचिका पर आदेश पारित किया।

इस आदेश में तंजावुर के पट्टुकोट्टई नादियाम्मन मंदिर में वार्षिक उत्सव के निमंत्रण में ऊरार (ग्रामीणों का जिक्र करते हुए) के बजाय आदि द्रविड़ छापने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

आदि द्रविड़ समुदाय का नहीं था उल्लेख- मंदिर के कार्यकारी अधिकारी ने निमंत्रण में उनकी जाति के नाम के साथ विभिन्न प्रायोजकों के नाम शामिल किए थे, लेकिन आदि द्रविड़ समुदाय का उल्लेख नहीं किया था, इसके बजाय उन्हें केवल ऊरार के रूप में संबोधित किया गया था और कहा था कि उन्होंने कोई योगदान नहीं दिया है।

बता दें, 2009 में भी उसी मंदिर में एक समान विवाद उत्पन्न हुआ था, जिसके लिए एक शांति समिति की बैठक आयोजित की गई थी। न्यायाधीशों ने उस तरीके की आलोचना की जिसमें दलितों को विशिष्ट मान्यता से वंचित करते हुए ऊरार के सामान्य शब्द के तहत शामिल किया गया है।

न्यायाधीशों ने की आलोचना- न्यायाधीशों ने कहा, यह अजीब है कि कार्यकारी अधिकारी एक सरकारी अधिकारी होते हुए भी इसका समर्थन कर रहे हैं। जस्टिस क्लेट ने कहा, ÷यह चयनात्मक दृश्यता प्रणालीगत असमानता को मजबूत करती है, जिससे दलित सामाजिक मूल्य, गोपनीयता और समाज में सार्थक भागीदारी दोनों से वंचित हो जाते हैं।

कक्षा 3 का बच्चा नहीं सुना पाया हिंदी कविता; टीचर ने की पिटाई, कहा- स्कूल में घुसने नहीं देंगे, अब यह एक्शन हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में हिंदी कविता नहीं सुनाने पर एक छात्र की पिटाई का मामला सामने आया है। मामला प्रकाश में आने के बाद स्कूल प्रबंधन ने हिंदी टीचर को निलंबित कर दिया है। घटना चेन्नई के किलपौक स्थित एक निजी स्कूल की है।

पीड़ित छात्र कक्षा तीन में पढ़ता है। उधर, निजी स्कूलों के निदेशक एम पलानीसामी ने कहा कि उन्होंने अभी तक मामले की जांच नहीं की है। स्कूल प्रबंधन से बात करेंगे और सोमवार को एक रिपोर्ट जारी करेंगे।

शिकायत के बाद लिया गया एक्शन- टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक छात्र के माता-पिता ने स्कूल प्रबंधन से टीचर के खिलाफ लिखित में शिकायत की थी। टीचर ने छात्र को स्कूल में न घुसने देने की धमकी भी दी थी। शिकायत के बाद स्कूल प्रबंधन ने टीचर के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया।

कुछ दिन पुरानी है घटना- माता-पिता के मुताबिक घटना कुछ दिन पुरानी है। पिटाई वाले दिन छात्र बेहद परेशान था। बता दें कि चेन्नई के किलपौक स्थित इस स्कूल में तमिल, अंग्रेजी और हिंदी भाषा पढ़ाई जाती है। मगर बच्चा हिंदी कविता सुना नहीं पाया। इसके बाद टीचर ने उसकी पिटाई कर दी।

स्कूल में बच्चों को पीटना अपराध- अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम- 2009 की धारा 17(1) स्कूलों में बच्चों पर शारीरिक दंड और मानसिक उत्पीड़न को प्रतिबंधित करता है। धारा 17(2) के तहत यह दंडनीय अपराध है। उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के खिलाफ सेवा नियमों के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रावधान है। सीबीएसई भी छात्रों पर शिक्षकों की हिंसा के खिलाफ सख्त रुख अपनाता है।

बच्चों के साथ ऐसी क्रूरता नहीं कर सकते शिक्षक- भारत में बच्चों पर शारीरिक दंड की कोई वैधानिक परिभाषा तय नहीं है। आरटीई अधिनियम- 2009 के प्रावधानों के मुताबिक इसे शारीरिक, मानसिक उत्पीड़न और भेदभाव के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।

शखर सम्मेलन से पहले कैबिनेट ने 1.22 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम की राजधानी गुवाहाटी में मंगलवार और बुधवार को होने वाले एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन से पहले निवेश के प्रस्ताव मिलने शुरू हो गए हैं। असम मंत्रिमंडल ने ऐसे ही 1.22 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को हरी झंडी दी।

शिखर सम्मेलन की शुरुआत राज्य मंत्रिमंडल द्वारा 1.22 लाख करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दिए जाने के साथ होगी और एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन के दिनों में यह संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए संवाददाताओं को बताया कि मंत्रिमंडल ने लगभग 35,000 से 45,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को खारिज कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रिमंडल को इन निवेश प्रस्तावों में अधिक मजबूती नहीं दिखाई दी। इसी कारण से इन्हें खारिज कर दिया गया। निरस्त किए गए प्रस्ताव ठोस तरीके से पेश नहीं किए थे। इसी कारण से हम उसे एमओयू के लिए नहीं ले रहे हैं। हम बाद में उनके साथ इस पर चर्चा करेंगे। हम लोगों के बीच अनावश्यक उत्साह पैदा नहीं करना चाहते। हम बहुत ही तर्कसंगत होकर काम कर रहे हैं।

असम सरकार ने सभी निवेश प्रस्तावों को सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर करने से पहले कैबिनेट में ले जाने का फैसला किया, ताकि उनकी उचित जांच की जा सके। राज्य सरकार का मानना ??है कि इससे बाद में जमीनी स्तर पर वास्तविक निवेश सुनिश्चित होगा और कमजोर प्रस्तावों को हटाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संवाददाताओं से कहा कि हमने तय किया था कि हम निवेश प्रस्तावों को कैबिनेट में ले जाने से पहले उन पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव
जीवन में सदैव
उतार-चढाव आता है
व्यक्ति को कभी
इससे घबराना नहीं
चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश
हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 फाल्गुन द्वादशी

संपादकीय

भारत की करीब 60 पेर्सेंट जनता ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई....

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ 13 जनवरी से 26 फ़रवरी 2025 तक चल रहे इस अद्भुत महाकुंभ समागम जिसमें मेरा मानना है 26 फरवरी 2025 महाशिवरात्रि के दिन तक करीब 70 करोड़ से पर श्रद्धालुओं ने डुबकी लगा चुके होंगे श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई होनें की संभावना प्रबल है इसका मतलब है कि भारत की करीब 60 पेर्सेंट जनता ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। संभावित रूप से अपने पापों का विसर्जन भी कर दिया है जिसका अंतिम अवसर दिनांक 26 फरवरी 2025 को है। हालांकि महाशिवरात्रि का महाकुंभ से महासंयोजन बन रहा है जिससे महाशिवरात्रि के दिन ही अंतिम स्नान कर महाकुंभ का समापन होगा। एक आध्यात्मिक जानकार के अनुसार त्रिवेणी में स्नान तो कभी भी कर सकते हैं परंतु महाकुंभ संयोग शिवरात्रि के संगम के दिन जैसा पुण्य नहीं मिलेगा, ऐसी मान्यता है।महाशिवरात्रि पर आर्टिकल लिखने के लिए मैं चार दिनों से रिसर्च कर रहा हूं तो मैंने पाया यह त्यौहार किसी एक राज्य या देश तक सीमित नहीं है, यह दक्षिण से पश्चिम व उत्तर से पूर्व तक राज्यों व विदेशों में भी मनाया जाता है, जिसकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे। चूँकि महाकुंभ पर महाशिवरात्रि एक महासंयोग है, इसदिन आसमान से सात ग्रह परेड करते दिखाई देंगे, जो अद्भुत दुर्लभ व भौगोलिक घटनाहै, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे महाशिवरात्रि 26 फरवरी 2025, महाशिवरात्रि पर महाकुंभ में अमृत स्नान जैसा महासंयोग है जिससे दुनियाँ खुशहाल होगी।

साथियों बात अगर हम महाशिवरात्रि महापर्व को जानने की करें तो,हिन्दुओं के लिए महाशिवरात्रि का पर्व बहुत महत्व रखता है, हिंदू पंचांग के अनुसार, फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को महाशिवरात्रि पड़ती है, इस साल यह पर्व 26 फरवरी 2025 को मनाया जाएगा।महाशिवरात्रि को शिव की महान रात के रूप में मनाया जाता है ऐसा माना जाता है कि इस दिन देवी पार्वती और भगवान शिव का विवाह हुआ था।महाशिवरात्रि का उपवास रखने की प्रथा काफी सालों से चली आ रही है। कुछ लोग इस व्रत के दौरान पूरा दिन अन्न और जल ग्रहण नहीं करते, वहीं कुछ भक्त फल, दूध और ड्राई फ्रूट्स का सेवन करते हैं। शिवरात्रि के दिन भगवान शिव के भक्त पूरे श्रद्धा भाव से भोले नाथ की पूजा अर्चना करते हैं। भोलेनाथ को इस दिन बेलपत्र दूध, फल और मिठाई अर्पित की जाती है।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार महाशिवरात्रि का दिन भगवान शिव की पूजा के लिए विशेष माना जाता है। कहा जाता है कि इस एक दिन व्रत रखने से पूरे साल की गई शिव पूजा के समान फल की प्राप्ति होती है और सभी पापों से मुक्ति मिलती है।

साल 2025 में महाकुंभ के साथ महाशिवरात्रि का विशेष योग बन रहा है। यह एक अद्भुत संयोग है जो 144 साल बाद आता है। महाकुंभ और महाशिवरात्रि दोनों ही हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण त्योहार हैं। महाकुंभ में गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर स्नान करने का विशेष महत्व है। महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की पूजा अर्चना की जाती है। 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि है और इसी दिन महाकुंभ का आखिरी स्नान भी होगा। इस दिन संगम तट पर विशाल स्नान और पूजा का आयोजन होगा। साथियों बात अगर हम महाशिवरात्रि अनेक राज्यों व विदेशों में भी विधि विधान से मनाए जाने की करें तो महाशिवरात्रि तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई जिले में स्थित अन्नामलाईयर मंदिर में बड़े धूमधाम से मनाई जाती है। इस दिन पूजा की विशेष प्रक्रिया गिरिवलम या गिरि प्रदक्षिणा है, जो पहाड़ी की चोटी पर शिव के मंदिर के चारों ओर नंगे पैर 14 किलोमीटर की पैदल यात्रा हैभारत के प्रमुख ज्योतिर्लिंग शिव मंदिर, जैसे कि वाराणसी और सोमनाथ , महाशिवरात्रि पर विशेष रूप से दर्शनार्थ आते हैं। वे मेलों और विशेष आयोजनों के लिए भी स्थल के रूप में काम करते हैं।

कर्नाटक में महाशिवरात्रि सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है जिसे बहुत भव्यता के साथ मनाया जाता है। उत्साही भक्त पूरी रात जागते हैं और अनुष्ठानों में भाग लेने के लिए मंदिरों में जाते हैं।

नर्मदाशंकर दवे

नर्मद अथवा नर्मदाशंकर दवे गुजराती भाषा के युग प्रवर्तक माने जाने वाले रचनाकार थे। जिस प्रकार हिन्दी साहित्य में आधुनिक काल के आरंभिक अंश को भारतेंदु युग संज्ञा दी जाती है, उसी प्रकार गुजराती में नवीन चेतना के प्रथम कालखंड को नर्मद युग कहा जाता है। भारतेंदु की तरह ही उनकी प्रतिभा भी सर्वतोमुखी थी। नर्मद ने नए विषयों पर पद्य और गद्य में रचनाएँ कीं। प्रकृति स्वतंत्रता आदि विषयों पर रचनाएँ आरंभ करने का श्रेय नर्मद को जाता है।

जन्म- गुजराती भाषा के युग प्रवर्तक माने जाने वाले रचनाकार नर्मद का जन्म सूरत के ब्राह्मण परिवार में 24 अगस्त, 1833 ई. को हुआ था। नर्मद के पिता लालशंकर मुम्बई में निवास करते थे। नर्मद की माध्यमिक शिक्षा वहीं के एल्फिंस्टन इन्स्टिट्यूट में संपन्न हुई। उनका पूरा नाम नर्मदाशंकर लाल शंकर दवे था, लेकिन रचनाएँ उन्होंने नर्मद नाम से की हैं।

विवाह- उस समय की प्रथा के अनुसार 11 वर्ष की उम्र में ही नर्मद का विवाह हो गया था। सूरत की प्रारंभिक शिक्षा के बाद जब वे मुम्बई में अध्ययन कर रहे थे, तभी अपने श्वसुर के आदेश पर गृहस्थी संभालने के लिए उन्हें वापस आकर सूरत में 15 रुपए मासिक वेतन का अध्यापन कार्य स्वीकार करना पड़ा।

कार्यक्षेत्र- नर्मद ने 22 वर्ष की उम्र में पहली कविता लिखी। तब साहित्य के विभिन्न अंगों को समृद्ध करने का क्रम आरंभ हो गया। कुछ समय तक उन्होंने मुम्बई में अध्यापक का काम किया, पर वहाँ का वातावरण अनुकूल न पाकर उसे त्याग दिया और 23 नवंबर, 1858 को अपनी क़लम को सम्बोधित करके बोले- ÷लेखनी अब मैं तेरी गोद में हूँ। 24 वर्षों तक वे पूरी तरह से साहित्य सेवा में ही लगे रहे। पहले उनकी रचना के विषय ज्ञान, भक्ति, वैराग्य आदि हुआ करते थे।

नर्मद युग- जिस प्रकार हिन्दी साहित्य में आधुनिक काल के आरंभिक अंश को भारतेंदु युग संज्ञा दी जाती है, उसी प्रकार गुजराती में नवीन चेतना के प्रथम कालखंड को नर्मद युग कहा जाता है। भारतेंदु की तरह ही उनकी प्रतिभा भी सर्वतोमुखी थी। उन्होंने गुजराती साहित्य को गद्य, पद्य सभी दिशाओं में समृद्धि प्रदान की, किंतु काव्य के क्षेत्र में उनका स्थान विशेष है। लगभग सभी प्रचलित विषयों पर उन्होंने काव्य रचना की। महाकाव्य और महाछंदों के स्वप्नदर्शी कवि नर्मद का व्यक्तित्व गुजराती साहित्य में अद्वितीय है। गुजरात के प्रख्यात साहित्यकार मुंशी ने नर्मद को अर्वाचीनों में आद्य कहा है।

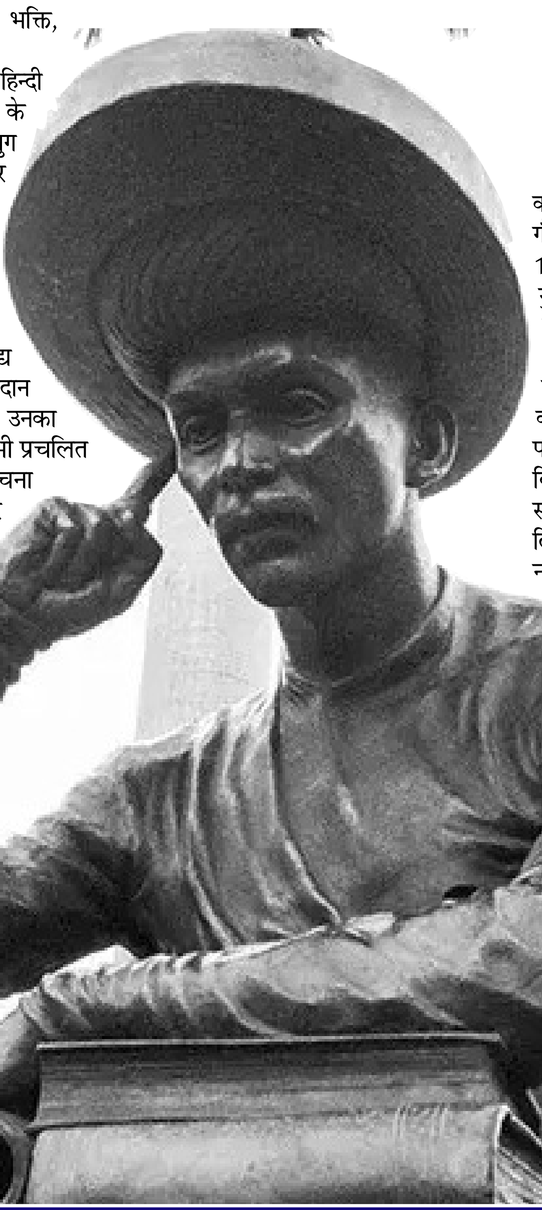

रचनाएँ- नर्मद ने नए विषयों पर पद्य और गद्य में रचनाएँ कीं। प्रकृति स्वतंत्रता आदि विषयों पर रचनाएँ आरंभ करने का श्रेय नर्मद को जाता है। प्रथम गद्यकार के रूप में उन्होंने निबंध, चरित्र लेखन, नाटक, इतिहास आदि सभी विधाओं की रचनाओं द्वारा गुजराती साहित्य का भंडार भर दिया।

नर्मद की प्रमुख रचनाएँ

गद्य

नर्मगद्य
नर्मकोश
नर्मकथाकोश
धर्मविचार
जूनं नर्मगद्य

नाटक

सारशाकुंतल
रामजानकी दर्शन
द्वौपदी दर्शन
बालकृष्ण विजय
कृष्णकुमारी

कविता

नर्म कविता
हिंदुओनी पडती

आत्मकथा

मारी हकीकत

मारी हकीकत नामक उनकी आत्मकथा को गुजराती की पहली आत्मकथा होने का गौरव प्राप्त है। उनकी अधिकांश कविताएँ 1855 और 1867 के बीच लिखी गईं। गुजराती के प्रथम कोश का निर्माण उन्होंने बहुत आर्थिक हानि उठाकर भी किया था।

समाज सुधारक- नर्मद एक समाज सुधारक भी थे। उन्होंने बुद्धिवर्धक सभा की स्थापना की थी। नर्मद जो कहते, उस पर स्वयं भी अमल करते थे। उन्होंने एक विधवा से विवाह किया था और सामाजिक बुराइयों का विरोध करने के लिए दांडियो नाम का एक पत्र निकाला। नर्मद को वीर तथा श्रृंगार के वर्णन में अधिक रुचि थी। नर्मद का अपना विशेष स्थान है और गुजराती साहित्य में उनके समय को नर्मद युग के रूप में जाना जाता है।

मृत्यु- गुजराती साहित्य के अमूल्य रत्न नर्मद की मृत्यु 26 फ़रवरी, 1886 को मुम्बई में हुई थी।

बिना गारंटी के 3 लाख का लोन, सिर्फ 5% देना होगा ब्याज...

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई छोटे कारोबारी और शिल्पकार अपने कामकाज को बढ़ाना चाहते हैं। लेकिन, उनके सामने पूंजी की समस्या आ जाती है। उनकी मदद के लिए केंद्र सरकार की एक खास स्कीम है, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना। इसमें सिर्फ 5 फीसदी की ब्याज दर पर 3 लाख रुपये तक का लोन मिल जाता है। इसके लिए आपको कुछ गिरवी रखने की जरूरत भी नहीं होती है।

क्या है पीएम विश्वकर्मा योजना

पीएम विश्वकर्मा योजना केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। इसका मकसद छोटे शिल्पकारों और कारीगरों को आर्थिक सहायता और प्रशिक्षण देना है। इसकी शुरुआत 1 फरवरी 2023 को हुई थी। इस योजना के तहत मुफ्त में स्किल ट्रेनिंग और रोजगार के लिए सस्ती ब्याज पर लोन दिया जाता है। इसमें प्रशिक्षण के दौरान रोजाना 500 रुपये दिए जाते हैं। साथ ही, टूल किट खरीदने के लिए 15,000 रुपये की रकम बैंक ट्रांसफर के जरिए दी जाती है। यह योजना सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय चला रहा है।

पीएम विश्वकर्मा योजना से जुड़ने वाले लाभार्थियों को कई फायदे मिलते हैं।

लाभार्थियों को 5-7 दिन (40 घंटे) का बेसिक ट्रेनिंग दी जाएगी।

इसके बाद 15 दिन (200 घंटे) की एडवांस ट्रेनिंग भी मिलेगी।

ट्रेनिंग के दौरान 500 प्रतिदिन स्टाइपेंड मिलेगा।

टूल किट खरीदने के लिए 15,000 की सहायता मिलेगी।

100 डिजिटल ट्रांजैक्शन करने पर 1 प्रति लेनदेन का इनाम भी मिलेगा।

3 लाख रुपये तक का आसान लोन

पीएम विश्वकर्मा योजना में लाभार्थियों को कुल तीन लाख रुपये का कर्ज मिलता है। यह रकम दो चरण में दी जाती है। पहले चरण में 1 लाख रुपये तक का लोन मिलता है, जिसकी अवधि 18 महीने होगी। दूसरे चरण में 2 लाख रुपये तक का लोन, जिसकी अवधि 30 महीने होगी। इस लोन पर सिर्फ 5त्न की रियायती ब्याज दर लागू होगी।

किन व्यवसायों से जुड़े लोग पात्र हैं- प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत 18 पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े लोग आवेदन कर सकते हैं,

1100% चढ़ा स्टॉक, जब हर तरफ मचा है हाहाकार उस समय इस शेयर ने दिखाया कमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जहां एक तरफ स्टॉक मार्केट में भारी बिकवाली का सिलसिला जारी है। तो वहीं सोमवार को TAC Infosec के शेयरों में अपर सर्किट लगा है। कंपनी ने शेयर बाजार में 5 अगस्त 2024 को अपना डेब्यू किया था। तब से अबतक कंपनी के शेयरों की कीमतों में 1100.90 प्रतिशत की तेजी आई है। एनएसई में आज कंपनी के शेयरों में खुलते ही 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया। जिसकी वजह से शेयरों का भाव 1273 रुपये के लेवल पर पहुंचने में सफल रहा है।

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान कंपनी का कुल रेवन्यू 13.16 करोड़ रुपये रहा है। वहीं, टैक्स भुगतान के बाद कंपनी का प्रॉफिट 6.5 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी का मार्केट कैप 1781 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने पहली तिमाही में कई अधिग्रहण किए है। इसके पीछे कंपनी की कोशिश है कि दुबई और अमेरिकी में अपने फुटप्रिंट को बढ़ाया जाए।

TAC Infosec में विजय केडिया के पास सितंबर तिमाही तक 11,47,500 शेयर थे। कंपनी में उनकी कुल हिस्सेदारी 10.95 प्रतिशत के बराबर है। उनके बेटे अंकित केडिया के पास कंपनी के 382500 शेयर थे। उनकी कंपनी में कुल हिस्सेदारी 3.65 प्रतिशत थी। केडिया फैमिली की इस कंपनी में 15 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

264 करोड़ रुपये के ऑर्डर के बाद भी टूटकर 80 रुपये से नीचे आए नवरत्न कंपनी के शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नवरत्न कंपनी एनबीसीसी (इंडिया) के शेयर लुढ़ककर 80 रुपये के नीचे पहुंच गए हैं। एनबीसीसी के शेयर गिरावट के साथ 79.95 रुपये पर बंद हुए हैं। 264.16 करोड़ रुपये का एक कंस्ट्रक्शन ऑर्डर मिलने के बाद भी कंपनी के शेयरों में यह गिरावट आई है। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयर 12 पर्सेंट से ज्यादा टूट गए हैं। एनबीसीसी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 139.90 रुपये है। वहीं, नवरत्न कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 70.14 रुपये है।

एनबीसीसी (इंडिया) को 264.16 करोड़ रुपये का कंस्ट्रक्शन ऑर्डर NIT कुरुक्षेत्र से मिला है। इस ऑर्डर में NIT कुरुक्षेत्र के एकेडमिक ब्लॉक, हॉस्टल ब्लॉक, रेजिडेंशियल ब्लॉक, डायरेक्टर रेजिडेंस, हॉस्टल्स और एकेडमिक बिल्डिंग्स का वर्टिकल एक्सटेंशन और दूसरे एक्सर्टनल डिवेलपमेंट का काम शामिल है। इस ऑर्डर को इंजीनियरिंग, प्रेक्योरमेंट, कंस्ट्रक्शन मोड में पूरा किया जाएगा। पिछले हफ्ते कंपनी को दो नए ऑर्डर मिले थे, उन ऑर्डर की वैल्यू 851.69 करोड़ रुपये थी। कंपनी को पहला ऑर्डर दामोदर वैली कॉरपोरेशन से मिला था और इसकी वैल्यू 776.75 करोड़ रुपये थी। वहीं, दूसरा ऑर्डर मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर्स से मिला था और यह ऑर्डर 74.94 करोड़ रुपये का था।

एनबीसीसी (इंडिया) के शेयर पिछले 6 महीने में 31.82 पर्सेंट लुढ़क गए हैं। नवरत्न कंपनी के शेयर 26 अगस्त 2024 को 117.27 रुपये पर थे। एनबीसीसी के शेयर 24 फरवरी 2025 को 79.95 रुपये पर बंद हुए हैं। इस साल अब तक एनबीसीसी (इंडिया) के शेयरों में 14 पर्सेंट की गिरावट देखने को मिली है। अगर पिछले एक साल की बात करें तो कंपनी के शेयर इस अवधि में 14 पर्सेंट टूट गए हैं।

1 साल से लगातार बेचा जा रहा था शेयर, एक नई खबर के बाद निवेशकों में खरीदने की होड़, 9% चढ़ा भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। Pfizer Ltd के शेयरों में आज 9 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह Mylan Pharmaceuticals के साथ मार्केटिंग और सप्लाई का अप्रूवल बोर्ड की तरफ से मिलना है। बता दें, बीएसई में आज Pfizer Ltd के शेयरों का भाव 4081.05 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयर 9 प्रतिशत से अधिक की उछाल के बाद 4477.20 रुपये के लेवल तक पहुंच गया था। हालांकि, इसके बाद Pfizer Ltd के शेयरों में नरमी देखने को मिली। बाजार के बंद होने के समय पर कंपनी के शेयरों का भाव 2.28 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 4187.90 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था।

कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि बोर्ड ने Mylan Pharmaceuticals Private Limited के साथ मार्केटिंग और सप्लाई एग्रीमेंट के लिए अप्रूवल दे दिया है। यह कंपनी Ativan Pacitane की मार्केटिंग और बिक्री करेगी।

पिछले एक साल के दौरान कंपनी संघर्ष कर रही है। 1 महीने में Pfizer Ltd के शेयरों का भाव 11 प्रतिशत टूटा है। वहीं, 2025 में अबतक इस कंपनी के शेयरों का भाव करीब 21 प्रतिशत गिरा है। 6 महीन में जहां एक तरफ सेंसेक्स इंडेक्स में 8.18 प्रतिशत की गिरावट आई है।

350 से टूटकर 21 पर आ गया यह शेयर, अब फिर शुरू हुई दिवालिया प्रोसेस, निवेशकों में हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड (सीडीईएल) के शेयर में भूचाल आ गया है। आज सोमवार को कारोबार के दौरान इसमें 5त्न का लोअर सर्किट लग गया। इसी के साथ यह शेयर 21.38 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गए थे। शेयरों में इस हलचल के पीछे एक खबर है। दरअसल, कैफे कॉफी डे चेन का स्वामित्व रखने वाली कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड (सीडीईएल) के खिलाफ दिवाला प्रक्रिया फिर से शुरू हो गई है। ऐसा इसलिए क्योंकि अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी सुप्रीम कोर्ट की निर्धारित 21 फरवरी की समयसीमा के भीतर आदेश पारित नहीं कर सका।

कंपनी ने क्या कहा- कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि पिछले सप्ताह राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) की चेन्नई पीठ ने अपने निलंबित बोर्ड के निदेशक द्वारा दायर अपील पर सुनवाई पूरी कर ली थी और अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। इसमें कहा गया, '' चूंकि उच्चतम न्यायानय के निर्देशानुसार अपील का निपटारा 21 फरवरी 2025 तक नहीं किया गया है, इसलिए कॉरपोरेट देनदार के कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) पर रोक के संबंध में एनसीएलएटी द्वारा पारित आदेश निरस्त माना जाता है। इसलिए, कॉरपोरेट देनदार का सीआईआरपी पुनः शुरू होता है तथा आईआरपी की शक्तियां 22 फरवरी 2025 से प्रभावी रूप से बहाल की जाती हैं।'' कंपनी सूचना के अनुसार, '' हालांकि, एनसीएलएटी ने आदेश सुरक्षित रख लिया है और अभी तक उसे सुनाया नहीं गया है।''

53% तक चढ़ सकता है ऑटो स्टॉक,3-3 एक्सपर्ट्स दे रहे निवेश की सलाह, टेस्ला ने बढ़ाई थी धड़कन

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक तरफ शेयर बाजार में भारी बिकवाली के कारण स्थिति काफी खराब है तो वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के शेयरों को लेकर 3-3 एक्सपर्ट्स बुलिश हैं। आज यानी सोमवार को कंपनी के शेयर तेजी के साथ बंद हुए हैं। सेंसेक्स की टॉप 30 कंपनियों में सबसे अधिक तेजी महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में आज देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 1.58 प्रतिशत की उछाल के साथ बंद हुआ है।

एक्सपर्ट्स का कमेंट ऐसे समय में आया जब महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में पिछले हफ्ते शुक्रवार को 6 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। शुक्रवार तक के डाटा के अनुसार 2 हफ्ते में स्टॉक 9 प्रतिशत गिरा है। इस गिरावट के पीछे की वजह टेस्ला की भारतीय मार्केट में एंट्री की तैयारी को माना जा रहा था। टेस्ला के आने से महिंद्रा जैसी कंपनियां बहुत प्रभावित होंगी।

सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट के अनुसार ब्रोकरेज फर्म Bernstein ने आउटपरफार्म का टैग दिया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

महाकुंभ में डुबकी लगाने ग्वालियर स्टेशन पर उमड़ी भीड़, रेलवे को कैंसल करना पड़ी ट्रेन

ग्वालियर । महाकुंभ समाप्त होने में अब कुछ दिन का समय शेष है। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर महाकुंभ में डुबकी लगाने के लिए एक बार फिर से ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है। भिंड, इटावा, मुरैना, कैलारस, जौरा, डबरा, दतिया, शिवपुरी जैसे आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं और यहां से प्रयागराज के लिए रवाना हो रहे हैं।

रविवार को भी स्टेशन पर लगभग साढ़े चार हजार यात्री पहुंचे, जिन्हें दो स्पेशल ट्रेनों से प्रयागराज के लिए रवाना किया गया। उधर रेलवे ने भीड़ प्रबंधन का हवाला देकर एक दिन पहले ही बहाल की गई पैसेंजर व मेमू ट्रेनों को रद करने का निर्णय लिया है।पांच जोड़ी ट्रेनों को किया कैंसल

प्रयागराज के लिए स्पेशल ट्रेनों का अधिक संख्या में संचालन करने के लिए रेल प्रशासन ने ग्वालियर होकर जाने वाली पांच जोड़ी ट्रेनों को रद कर दिया है। जबकि एक दिन पहले ही इन ट्रेनों को बहाल किया था। रेलवे के अधिकारियों के अनुसार इन ट्रेनों को परिचालन कारणों के चलते रद किया गया है। ये ट्रेनें 28 फरवरी तक रद रहेंगी। इसके चलते आगरा, झांसी, भिंड व इटावा जाने वाले यात्रियों को परेशानी आएगी।ताज एक्सप्रेस पांच मार्च तक रद

रेलवे ने रविवार को ट्रेन क्रमांक 51887-51888 ग्वालियर-इटावा पैसेंजर, ट्रेन क्रमांक 51889-51890 ग्वालियर-भिंड पैसेंजर, ट्रेन क्रमांक 12197-12198 ग्वालियर-भोपाल इंटरसिटी के साथ ही ग्वालियर से कैलारस के बीच चलने वाली तीन जोड़ी मेमू ट्रेनों को रद किया है।

वहीं ट्रेन क्रमांक 64633-64634 ग्वालियर-इटावा एक्सप्रेस को भी निरस्त किया। वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से नई दिल्ली के बीच चलने वाली ताज एक्सप्रेस को भी पांच मार्च तक के लिए रद किया गया है।जिस बुंदेलखंड एक्सप्रेस को शनिवार की रात नौ बजे ग्वालियर से प्रयागराज होते हुए बनारस तक जाना था, वह 7:45 घंटे की देरी से सुबह 4:50 बजे रवाना हो सकी। वहीं बनारस से प्रयागराज होते हुए सुबह सवा आठ बजे ग्वालियर आने वाली बुंदेलखंड एक्सप्रेस रविवार को साढ़े 15 घंटे की देरी से रात 12 बजे के आसपास ग्वालियर आ सकी। यही रैक ग्वालियर से रात नौ बजे रवाना होता है, लेकिन ट्रेन के लेट होने के कारण अब रविवार रात रवाना होने वाली ट्रेन सोमवार की सुबह जा सकेगी।

जबलपुर में दो दुर्घटनाओं में 8 लोगों की मौत, एक हादसा सिहोरा में तो दूसरा बायपास पर हुआ

जबलपुर । जबलपुर के पास सिहोरा में आज अलसुबह चार बजे एक कार और बस की टक्कर में कर्नाटक के 6 लोगों की मौत हो गई और 2 लोग घायल हो गए। वहीं बायपास पर एक कार खड़े ट्रक से टकरा गई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। कार और बस की टक्कर से घायल हुए यात्रियों को सिहोरा अस्पताल में प्रारंभिक इलाज देने के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। टक्कर के बाद ड्राइवर बस को लेकर भाग निकला था।जानकारी के मुताबिक तूफान वाहन (केए 49 एम 5054) प्रयागराज से जबलपुर की ओर जा रहा था। इसी दौरान सिहोरा के खितौला थाना इलाके में सुबह 4 बजे तूफान वाहन डिवाइडर तोड़ते हुए रांग साइड पर पहुंच गया और बस (एमएच 40 सीएम 4579) से उसकी टक्कर हो गई।टक्कर में मौके पर ही 6 लोगों की मौत हो गई। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस मृतकों के परिजनों से संपर्क करने की कोशिश कर रही है। बस जबलपुर की तरफ से कटनी जा रही थी। हादसे के बाद ड्राइवर बस को भगाकर ले गया। पुलिस ने बस को बरामद कर लिया है, वह संजय बस कंपनी, महाराष्ट्र की बताई जा रही है।सभी मृतक कर्नाटक के गोकक केहादसे में मारे गए सभी लोग कर्नाटक के गोकक के रहने वाले बताए गए है, वाहन भी कर्नाटक का ही है। मृतकों के नाम विरुपाक्षी गुमेती, बासवराज कुराती, बालचंद्र और राजू हैं। दो मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। हादसे में घायल हुए लोगों के नाम सदाशिव और मुस्ताफ हैं, इन्हें इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

धार के मनावर में जैन मंदिर में चोरी, 20 किलो चांदी का सामान और दानपेटी भी ले गए

धार । धार जिले के मनावर में चैतन्यधाम स्थित भगवान महावीर दिगंबर जिनालय में रविवार रात अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर करीब 20 किलो चांदी के आभूषण और छह महीने से संचित दानपेटी चोरी कर ली। चोरी की कुल अनुमानित राशि करीब 14 लाख रुपये बताई जा रही है।

फरियादी राकेश जैन ने पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया कि मंदिर रोजाना सुबह 5 बजे खोला जाता है और रात 9:30 बजे बंद कर दिया जाता है। पुजारी रत्नेश जैन के बाहर होने के कारण, उनकी पत्नी आरती जैन ने 23 फरवरी की रात 9:30 बजे पूजा-अर्चना के बाद मंदिर के मुख्य द्वार पर ताला लगाकर बंद कर दिया था।सुबह हुआ चोरी का खुलासा

24 फरवरी की सुबह 5:30 बजे जब आरती जैन मंदिर खोलने पहुंचीं, तो उन्होंने देखा कि मुख्य दरवाजा खुला पड़ा था और ताले टूटे हुए थे। इस पर उन्होंने तुरंत राकेश जैन को सूचना दी। समाज के अन्य लोगों के साथ मौके पर पहुंचे तो पता चला कि मंदिर के भीतर के दरवाजे भी क्षतिग्रस्त थे और चांदी के कीमती सामान गायब थे।सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई वारदात

मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच में सामने आया कि रात 2:32 बजे तीन बदमाश मंदिर के दरवाजे तोड़कर भीतर घुसे। सभी ने चेहरे पर कपड़ा बांध रखा था। चोरी की पूरी घटना करीब एक घंटे तक चली और चोर रात 3:28 बजे मंदिर के पीछे के रास्ते से फरार हो गए।

चोरी हुए सामान की सूची

9 किलो चांदी की पांडुक शिला
4 किलो चांदी के शांतिधारा कलश (4 नग)
2.4 किलो चांदी के 12 कलश (गड्डु)
3 किलो चांदी का घड़ा
450 ग्राम चांदी के 3 यंत्र
500 ग्राम चांदी के 3 मुकुट
2 किलो चांदी के 8 अष्टप्रतिहारी
500 ग्राम चांदी के 2 चवर और 4 छत्र
200 ग्राम चांदी की छोटी घंटी
6 महीने की संचित दानराशि वाली लोहे की दानपेटी

पुलिस ने जांच शुरू की

सूचना मिलते ही एसडीओपी अनु बेनीवाल और थाना प्रभारी ईश्वरसिंह चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जिला मुख्यालय से फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट और डॉग स्क्वॉड की टीम भी जांच में जुट गई है।समाजजनों ने पुलिस से जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी हुए सामान की बरामदगी की मांग की है। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ धारा 331(4) और 305 के तहत मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

पीएचक्यू के पत्र से खलबली, प्रदेशभर के डीएसपी, इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर होंगे प्रभावित

ग्वालियर । एक ही जिले में अलग-अलग पदों पर अलग-अलग अवधि में तैनात रहे डीएसपी, इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर हटाए जाएंगे। इसके लिए बाकायदा पीएचक्यू यानी पुलिस मुख्यालय की कार्मिक शाखा ने पुलिस आयुक्त, जिलों के पुलिस अधीक्षक, पीटीएस और पुलिस की अलग-अलग शाखाओं के अधिकारियों को पत्र लिखकर ऐसे पुलिस अधिकारियों की जानकारी मांगी है।

इस पत्र ने प्रदेश के सभी जिलों के ऐसे पुलिस अधिकारियों में खलबली मचा दी है, जो अलग-अलग कार्यकाल को मिलाकर एक ही जिले में 10 वर्ष की अवधि पूरी कर चुके हैं। 18 फरवरी को पुलिस मुख्यालय से यह पत्र जारी हुआ है।25 फरवरी तक मांगी गई है जानकारी

25 फरवरी तक सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को यह जानकारी पुलिस मुख्यालय की कार्मिक शाखा में भेजनी है। इस कवायद के पीछे वजह बताई जा रही है, लगातार एक ही जिले में तैनात रहने से पुलिस अधिकारियों की निष्पक्ष कार्रवाई पर सवाल उठते हैं। ऐसे कई मामले सामने भी आए हैं। इसके बाद पुलिस मुख्यालय ने यह बदलाव करने का निर्णय लिया है।डीएसपी, इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर इधर से उधर होंगे

माना जा रहा है कि इस बदलाव से प्रदेशभर से बड़ी संख्या में डीएसपी, इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर इधर से उधर होंगे। इसके साथ ही जो पुलिस अधिकारी तबादले के प्रयास में लगे हैं, अगर वह भी इस श्रेणी में आ रहे होंगे तो वह भी प्रभावित होंगे।

ग्वालियर और चंबल जोन के जिलों में भी ऐसे कई पुलिस अधिकारी हैं, जो सब इंस्पेक्टर से लेकर इंस्पेक्टर और डीएसपी तक अलग-अलग अवधि में एक ही जिले में रहे। कई तो 10 साल से अधिक समय तक की कार्यअवधि एक ही जिले में पूरी कर चुके हैं।गृह जिले की भी बड़ी गफलत

पुलिस के रिटायर्ड अधिकारी बताते हैं- प्रदेश के सभी जिलों में गृह जिले की भी बड़ी गफलत है। कई पुलिस अधिकारी ऐसे हैं, जिनकी पढ़ाई तक उसी जिले में हुई, जहां सालों नौकरी की। लेकिन गृह जिले आसपास हैं, जिसकी वजह से बचे रहते हैं, जबकि घर तक उन्हीं जिलों में बना लिए हैं।

एक ही जगह जमे रहने से निष्पक्ष कार्रवाई की उम्मीद नहीं रहती यह सही कार्रवाई है। चुनाव आयोग आदेश देता है, तीन साल से तैनात अधिकारी स्थानांतरित किए जाएं, कोई तो वजह होगी। जो फील्ड पोस्टिंग वाले लोग हैं, लंबे समय तक एक ही जगह तैनात रहने से वहां कई तरह के संबंध बन जाते हैं। ऐसे में निष्पक्ष कार्रवाई की उम्मीद नहीं की जा सकती।

- एसएस शुक्ला, रिटायर्ड एडीजी

इससे पुलिसिंग सुधरेगी

यह निर्णय बहुत पहले हो जाना चाहिए था। अगर यह व्यवस्था लागू होती है तो पुलिसिंग सुधरेगी। योग्य पुलिस अधिकारियों की योग्यता का लाभ दूसरी जगह भी मिलेगा। नया अधिकारी जो जाएगा, नए क्षेत्र की जानकारी प्राप्त होगी। नई जगह खुद को साबित करने के लिए बेहतर काम करना होगा।

- जेपी शर्मा, रिटायर्ड

प्रेस्टीज में PICOM-25 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन: उत्कृष्ट शोध पत्रों को मिला सम्मान

इंदौर। प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च द्वारा आयोजित 20वें अंतराष्ट्रीय सम्मेलन PICOM-25 का सफल समापन रविवार को हुआ। उद्योग 5.0 के युग में मानव-मशीन समन्वय- व्यापार परिवर्तन को पुनर्परिभाषित करना विषय पर केंद्रित इस सम्मेलन में वित्त, कॉर्पोरेट प्रशासन, स्वास्थ्य देखभाल में जनसंपर्क और उपभोक्ता व्यवहार सहित विभिन्न क्षेत्रों पर शोध प्रस्तुत किए गए।

प्रेस्टीज एजुकेशन फाउंडेशन के चेयरमैन और प्रेस्टीज यूनिवर्सिटी के चांसलर, डॉ. डेविश जैन ने कहा कि दो दिनों में भारत और दुनिया भर के 150 से अधिक विद्वानों और विशेषज्ञों ने अपने शोध और विचारों का उत्कृष्ट आदान-प्रदान किया। उन्होंने उद्योग और शिक्षा के बीच की खाई को पाटने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि शोध को व्यावसायिक रणनीतियों में बदलना आवश्यक है ताकि शिक्षण संस्थान नवाचार के केंद्र बने रहें। डॉ. जैन ने कहा कि व्यवसायों को केवल स्वचालन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग बुद्धिमान निर्णय लेने और समस्याओं के समाधान के लिए किया जाना चाहिए। AI का उद्देश्य मानव क्षमताओं को प्रतिस्थापित करना नहीं, बल्कि उन्हें और अधिक सशक्त बनाना होना चाहिए।

सम्मेलन में उद्योग 5.0, अंतरिक्ष विज्ञान और मानव-मशीन सहयोग पर गहन चर्चा हुई। पूर्व इसरो वैज्ञानिक डॉ. शिव मोहन ने कहा कि उद्योग 5.0 का दौर मानव और मशीन के बीच संतुलन स्थापित करने का है, जहां दोनों निर्णय लेने में सहायक बनते हैं। सिद्धार्थ राजहंस ने लूनर आइस और 3.0 तकनीक पर बात करते हुए बताया कि कैसे AI उद्योगों में नई संभावनाएं खोल रहा है। उन्होंने Meta AI, ChatGPT और Gemini जैसे उन्नत AI मॉडल्स के बढ़ते एकीकरण पर भी प्रकाश डाला। सी पी गुरमानी ने ऑटोमेशन और रोबोटिक्स के व्यापक उपयोग और प्रभाव को समझने की जरूरत पर जोर देते हुए डिजी यात्रा ऐप को यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने वाला एक क्रांतिकारी कदम बताया।

सम्मेलन के दौरान विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। डॉ. नेहा जैन ने वित्तीय निवेश में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला और लक्षित वित्तीय शिक्षा कार्यक्रमों की आवश्यकता बताई।

डॉ. ज्योति लालजानी ने ऑटोमोबाइल कंपनियों में लाभांश नीतियों का विश्लेषण प्रस्तुत किया और विकसित हो रहे वित्तीय मॉडलों पर अधिक शोध की जरूरत पर बल दिया। डॉ. अंशुल गर्ग ने भारतीय अस्पतालों में जनसंपर्क प्रथाओं और उनके संगठनात्मक प्रभावों पर चर्चा की, जबकि डॉ. सपना भगतानी ने जैविक खाद्य उत्पादों के प्रति उपभोक्ता व्यवहार पर शोध प्रस्तुत किया।

सम्मेलन में उद्योग 5.0 के विकास, नवाचार और शोध की दिशा में गहन विमर्श हुआ। इस अवसर पर सम्मेलन की स्मारिका का विमोचन किया गया, जिसमें प्रमुख वक्ताओं के विचार, शोध पत्रों का संकलन और सम्मेलन की मुख्य झलकियां शामिल थीं। साथ ही, रिसर्च मेथडोलॉजी वर्कशॉप का अनावरण किया गया, जो शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों को अनुसंधान पद्धतियों को प्रभावी रूप से अपनाने का मंच प्रदान करेगी।

समापन समारोह में डॉ. ज्योति लालजानी को सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि देवेश मोहन को आउटस्टैंडिंग एलुमनस अवार्ड प्रदान किया गया। शरद चतुर्वेदी को पीआईएमआर यंग लीडर अवार्ड÷ से नवाजा गया। 21 विद्यार्थियों को मेरिट आधारित छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया।

PIMR के ग्रुप डायरेक्टर डॉ. एस. एस. भाकर ने कहा कि यह सम्मेलन उद्योग 5.0 के लिए एक स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान करेगा और भविष्य में तकनीकी नवाचार को नई दिशा देगा। PICOM-25 ने मानव और मशीन के समन्वय से व्यापार परिवर्तन के नए आयामों पर एक महत्वपूर्ण संवाद स्थापित किया और अनुसंधान व नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

अशासकीय विद्यालयों की मान्यता की आवेदन तिथि बढ़ी

इंदौर। प्रदेश के अशासकीय विद्यालय की मान्यता नवीनीकरण और नवीन मान्यता की अंतिम तिथि अब बढ़ाकर 25 फरवरी 2025 निर्धारित की गई है। राज्य शिक्षा केन्द्र ने स्पष्ट किया है कि 25 फरवरी के बाद अंतिम तिथि में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं की जा सकेगी। मान्यता संबंधी निर्देश पूर्व की तरह यथावत रहेंगे।

प्रदेश में शिक्षण सत्र 2025-26 के लिये अशासकीय विद्यालयों की मान्यता नवीनीकरण और नवीन मान्यता आवेदन की अंतिम तिथि 7 फरवरी 2025 निर्धारित की गई थी।

विलंब शुल्क के साथ अंतिम तिथि 14 फरवरी 2025 निर्धारित की गई थी। अशासकीय विद्यालयों की दिक्कतों को देखते हुए राज्य शिक्षा केन्द्र ने आवेदन तिथि में वृद्धि की है। राज्य शिक्षा केन्द्र ने कलेक्टर्स और जिला परियोजना समन्वयक को इस संबंध में निर्देश जारी किये हैं।

समेकित छात्रवृत्ति योजना- स्कूल शिक्षा विभाग ने समग्र सामाजिक सुरक्षा मिशन के अंतर्गत समेकित छात्रवृत्ति योजना लागू की है। योजना का नोडल अधिकारी स्कूल शिक्षा विभाग निर्धारित किया गया है।

समेकित छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 12 तक अध्ययनरत विद्यार्थियों को 6 विभागों की लगभग 20 प्रकार की छात्रवृत्ति शिक्षा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकृत कर सीधे विद्यार्थी के खाते में भुगतान किये जाने की व्यवस्था की गई है।

योजना में प्रत्येक विद्यार्थी का नाम समग्र यूनिक आईडी के आधार पर उसके स्कूल के डाइस कोड के साथ मेपिंग कर कक्षावार, स्कूलवार नामांकन ऑनलाइन किये जाने का सिस्टम शिक्षा पोर्टल एनआईसी के माध्यम से तैयार कराया गया है।

प्रत्येक छात्र की प्रोफाइल में संबंधित की जाति, माता-पिता का व्यवसाय, परिवार की वार्षिक आय, बीपीएल स्टेटस, छात्रावासी स्टेटस, पिछले वर्ष का परीक्षा परिणाम, जो छात्रवृत्ति गणना करने में आवश्यक होते हैं, उसे रिकॉर्ड में रखा जाता है।

इंदौर को स्वच्छ बनाने के लिये जुटी छात्राएं- लिया संकल्प अपने को भी स्वच्छता में नंबर वन रखेंगे

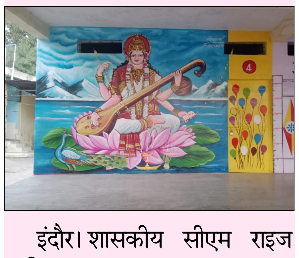

इंदौर। शासकीय सीएम राइज अहिल्याश्रम कन्या उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 की छात्राओं ने अपनी मेहनत और लगन से शिक्षा जगत में शैक्षणिक,सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों में उपलब्धियां हासिल कर अपनी पहचान बनाई है , अब छात्राओं ने संकल्प लिया है कि वे अपने विद्यालय को शिक्षा जगत का स्वच्छ विद्यालय भी बना कर दिखाएगी।

उन्होंने स्वच्छ इंदौर के नारे को विस्तारित कर उसमें स्वच्छ विद्यालय को जोड़कर अपनी अभिलाषा को विद्यालय की दीवारों पर भी लिखा है।

विद्यालय के प्राचार्य दीपक हलवे ने बताया कि छात्राओं ने संकल्प लिया है कि वे विद्यालय में लगाये गए डस्टबिनों,सुविधाघरों,बाग-बागीचों और खेल मैदानों का उपयोग करते समय अपनी ओर से स्वच्छता का पूरा ध्यान रखेंगी।

दस्तक अभियान के तहत बच्चों को पिलाई जा रही है विटामिन ए की खुराक

इंदौर। इंदौर जिले में भी दस्तक अभियान की शुरुआत विगत 18 फरवरी से की गई है। अभियान में बच्चों को विटामिन ए का सेवन कराया जा रहा है। अभियान 18 मार्च तक संचालित किया जाएगा। जिसके तहत प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को 5 साल तक की उम्र के बच्चों को स्वास्थ्य और पोषण सेवाएं घर-घर जाकर दी जा रही हैं। विटामिन ए की खुराक प्रत्येक 6 माह के अंतराल में दी जाती है। विटामिन ए रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करता है। इसके सेवन से बाल्यावस्था में होने वाले कुपोषण में कमी आती है एवं बाल जीवितता में 20 प्रतिशत की वृद्धि की जा सकती है। अभियान की मॉनिटरिंग जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों द्वारा कर सेशन साइट्स पर स्पॉट चेक एवं बैक चेक प्रविष्टी की जा रही है। पिछले साल जून माह में आयोजित दस्तक अभियान के प्रथम चरण में एनीमिक मिले बच्चों की एनीमिया की स्थिति के पुनः आंकलन के लिए डिजिटल हीमोग्लोबिनोमीटर से जांच की जा रही है। बच्चों में निर्धारित हीमोग्लोबिन का स्तर न पाए जाने पर आयरन सप्लीमेंटेशन एवं चिकित्सकीय प्रबंधन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि अभियान का उद्देश्य 5 वर्ष से छोटे बच्चों को स्वास्थ्य एवं पोषण की सेवाएं प्रदान करके बाल मृत्यु में अपेक्षित कमी लाई जाना है।

गर्मी के मौसम में बिजली का बिल घटाने के आसान तरीके

इंदौर। गर्मी के मौसम में अक्सर बिजली बिल बढ़ जाता है, जिसकी वजह कुछ जरूरी उपकरणों का इस्तेमाल तथा उनके रखरखाव में कमी होती है। जैसे-जैसे पारा चढ़ता है, वैसे-वैसे ए.सी., कूलर, पंखों का इस्तेमाल बढ़ जाता है। ऐसे में आपका बिजली का बिल ना बढ़े, इसके लिए पश्चिम विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कुछ कारगर तरीके सुझाये गए हैं। ए.सी. इस्तेमाल करने वालों के लिए टिप्स यह है कि वह अपने ए.सी. के टेम्प्रेचर को 27 डिगी पर सेट करें। इससे नीचे टेम्प्रेचर करने पर ए.सी. के कंप्रेशर को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है।

ए.सी. ज्यादा देर तक चलता है, इसलिए बिजली भी ज्यादा खर्च होती है और आपका बिल ज्यादा आता है। बेहतर होगा कि ए.सी. के साथ-साथ कमरे में पंखा भी चलाएं। ए.सी. के एयर फिल्टर को हर 10-15 दिनों में अच्छी तरह धोकर साफ करें।

फिल्टर में धूल जमने में आपको पूरी ठंडक नहीं मिलती और आपको ए.सी. ज्यादा देर तक चलाना पड़ता है।

ए.सी. वाले कमरों के खिड़की- दरवाजे ए.सी.चलने के दौरान मजबूती से बंद रखें। यदि दरवाजे-खिड़कियों में झिरियां हों तो उन्हें थर्मोकोल आदि का इस्तेमाल कर सील कर दें।

इसी तरह कूलर इस्तेमाल करने के लिए भी कुछ जरूरी टिप्स हैं। कूलर से पूरी ठंडक पाने के लिए जरूरी है कि कूलर जितनी हवा फेंक रहा है उतनी हवा कमरे से बाहर निकलने का भी पूरा इंतजाम हो। कूलर के पैड यदि खराब हो गये हैं तो उन्हें बदलवा लें।

कूलर के पंखे और पंप की आइलिंग ग्रीसिंग के साथ ही कंडेंसर की जांच जरूर करायें। पुराने रेगुलेटर की जगह इलेक्ट्रॉनिक रेगुलेटर लगवाएं, इससे बिजली कम खर्च होती है। इसी तरह पंखे इस्तेमाल करने के दौरान जरूरी है कि घर के सब पंखों की सर्विसिंग करा लें।

खराब कंडेंसर, बाल बेयरिंग इत्यादि को तुरंत बदलवा लें, वहीं पंखे में इलेक्ट्रॉनिक रेगुलेटर का इस्तेमाल करें। रेफ्रिजरेटर इस्तेमाल करने में भी सावधानी रखें।

गर्मी का मौसम शुरू होने के पहले रेफ्रिजरेटर की जांच करा लें। रेफ्रिजरेटर का दरवाजा बार-बार ना खोलें।

दरवाजा बार-बार खुलने या ज्यादा देर खुला रहने से कंप्रेशर को फ्रिज का टेम्प्रेचर बनाये रखने में ज्यादा मेहनत लगती है। जिससे बिजली की खपत अधिक होगी और बिल बढ़ेगा। एकदम गर्मा गर्म खाना या दूध फ्रिज में न रखें। ऐसा करने से भी कंप्रेशर को ज्यादा देर चालू रहना पड़ता है और आपका बिजली बिल बढ़ता है।

निरोगी काया अभियान का हुआ शुभारंभ - 31 मार्च तक चलेगा अभियान

इंदौर। असंचारी रोगों की स्क्रीनिंग के लिए निरोगी काया अभियान की शुरुआत गत 20 फरवरी से की गई। आगामी 31 मार्च तक चलने वाले इस विशेष अभियान में 30 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं नॉन अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज स्क्रीनिंग की जाएगी तथा पीड़ित पाए जाने पर निःशुल्क उपचार दिया जाएगा।

निर्देश दिए गए है कि अभियान हेतु लक्षित शत - प्रतिशत नागरिकों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जाए। अभियान के शत - प्रतिशत लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए राज्य, जिला और विकासखंड स्तरीय अधिकारियों द्वारा संस्थाओं और फील्ड पर जाकर समीक्षा की जा रही है। अभियान के तहत असंचारी रोग स्क्रीनिंग के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक पर जांच शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

हितग्राहियों की जांच और उपचार की रिपोर्ट एन सी डी पोर्टल में दर्ज की जा रही है। रोगों की पहचान होने पर त्वरित रूप से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, सिविल अस्पतालों अथवा जिला चिकित्सालय में उपचार प्रारंभ किया जाएगा। नए मरीजों की पहचान के लिए आशा कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर सीबैक फॉर्म में जानकारी इकट्ठे की जा रही है। सीबैक फॉर्म से प्राप्त जानकारी के आधार पर असंचारी रोग स्क्रीनिंग एवं पंजीयन किया जाएगा। निरोगी काया अभियान के दौरान स्क्रीनिंग के साथ-साथ लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न बीमारियों के लक्षण, उससे बचाव एवं उपचार के संबंध में जानकारी दी जायेगी। इसके साथ ही लोगों को संतुलित आहार, बेहतर खानपान, नियमित योग, प्राणायाम तथा व्यायाम करने की सलाह भी दी जाएगी। डायबिटीज, उच्च रक्तचाप साइलेंट किलर बीमारियां मानी जाती हैं। इसलिए इनकी नियमित जांच बेहद जरूरी है। इस अभियान में नॉन एल्कोहोलिक फैटी लीवर डिजीज की स्क्रीनिंग को भी शामिल किया गया है। परिवार के सदस्यों में पूर्व में इन बीमारियों के होने पर अपनी जांच अवश्य करवाई जानी चाहिए। अभियान के लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का उन्मुखीकरण, लॉजिस्टिक एवं दवाइयां उपलब्ध करवा दी गई है। मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा अभियान की जानकारी देकर लोगों की जांच करवाई जा रही है। जिन लोगों की स्क्रीनिंग हो चुकी है, उनकी रिस्क्रीनिंग करवाई जा रही है। जांचें और दवाइयां विभाग द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

26 फरवरी से सम्राट विक्रमादित्य, उनके युग, भारत उत्कर्ष, नव जागरण और भारत विद्या पर आधारित विक्रमोत्सव का शुभारंभ

उज्जैन । सम्राट विक्रमादित्य, उनके युग, भारत उत्कर्ष, नव जागरण और भारत विद्या पर आधारित विक्रमोत्सव का शुभारंभ 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व से होगा। जिसके अर्न्तगत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाऐंगे। 26 फरवरी से प्रदेश के विभिन्न शहरों में शिवरात्री मेलों का आयोजन संस्कृति संचालनालय, मध्यप्रदेश तीर्थ मेला प्राधिकरण तथा नगरीय विकास एवं आवास विभाग के संयुक्त सहयोग से किया जाएगा।

उज्जैन में विक्रमोत्सव के अर्न्तगत 26 फरवरी को कलश यात्रा का आयोजन शासकीय कन्या महाविद्यालय के सहयोग से किया जाएगा। कलश यात्रा में विंटेज कार, स्पोर्टस बाईक और जनजातीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। विक्रम व्यापार मेले का शुभारंभ दोपहर 12 बजे इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में किया जाएगा। मेलें में सुक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, कुटीर एवं ग्रामोउद्योग, उद्योग विभाग, हथकरघा विभाग एवं जिला प्रशासन के सहयोग से वस्त्रोद्योग, हाथकरघा उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। वन्य, जनजातीय कार्यविभाग के सहयोग से जनजातीय शिल्प, पारम्परिक व्यंजन एवं जनजातीय परंपरागत चिकित्सा शिविर लगाया जाएगा।

26 फरवरी को शाम 7 बजे दशहरा मैदान परिसर में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी एप का लोकार्पण किया जाएगा। विक्रमादित्य वैदिक घड़ी भारतीय कालगणना पर आधारित विश्व की पहली घड़ी है। भारतीय कालगणना सर्वाधिक विश्वसनीय पद्धति का पुनरस्थापन विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के रूप में उज्जैन में किया गया है। विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का लोकार्पण माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 29 फरवरी 2024 को किया गया। भारतीय कालगणना की इस परंपरा को व्यावहारिक बनाने विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का एप भी तैयार किया जा चुका है। यह एप जीपीएस द्वारा संचालित है। जिससे यह किसी भी स्थान पर सूर्योदय के समय को सटीकता से जान पाता है और उसके अनुसार वैदिक समय की गणना करता है। यह एप 180 से अधिक भारतीय एवं वैश्विक भाषाओं में देखा जा सकता है। यह घड़ी सूर्योदय से परिचालित है। अतः जिस स्थान पर जो सूर्योदय का समय होगा उस स्थान की कालगणना तदनुसार होगी। स्टेंडर्ड टाइम भी उसी से जुड़ा रहेगा।

रोज शाम पाँच से छः बजे तक रखेंगे बिज़ली बंद

संस्था सरल काव्यांजलि ने मासिक गोष्ठी में किया प्रण

उज्जैन। संस्था सरल काव्यांजलि ने आज आयोजित अपनी मासिक गोष्ठी में प्रण लिया कि रोज़ शाम पाँच बजे से छः बजे तक अपने-अपने घरों के विद्युत उपकरण बंद रख ऊर्जा बचत करेंगे। जानकारी देते हुए संस्था की माया बदेका ने बताया कि इस काव्य गोष्ठी में मुख्य अतिथि विक्रम विश्वविद्यालय, हिन्दी विभाग की प्रोफेसर डॉ. गीता नायक ने कहा कि रसयुक्त वाक्य ही काव्य है। काव्य लेखन ईश्वर प्रदत्त शक्ति है। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष डॉ. संजय नागर ने की।

संस्था के दिवंगत सदस्य सुखराम सिंह तोमर को समर्पित इस गोष्ठी में हाईकोर्ट में सीनियर एडवोकेट मनोनीत होने पर वरिष्ठ अभिभाषक वीरेन्द्र शर्मा का स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर आयोजित काव्य गोष्ठी में डॉ. रफीक नागोरी ने किसी की दीद अब क्या करेंगे, तेरे ही हुस्न को देखा करेंगे, आशीष श्रीवास्तव अश्क ने एक हमीं रहते हैं उनके हर सुख दुख में शामिल पर, फिर भी ना जाने क्यों ले लेते हैं हर बात दिल पर, गोपालकृष्ण निगम ने अधिकारों की जमीन हड़पना आ गया, कर्तव्य की फसल बोना भूल गए। मानसिंह शरद ने आग है धुआं है, सब कुछ खोया खोया है, फसलों की जगह किसने ये बारूद बोया है, संतोष सुपेकर ने अब क्या लिखूं मैं कोई नई कविता, हर विषय तो छू चुकी है कविता, राजेंद्र देवधरे दर्पण ने सड़क की खराब हालत पर शानदार व्यंग्य, तरुण उपाध्याय ने माँ, माँ नहीं एक शक्ति पुंज है, माँ, माँ नहीं एक अहसास है। धनसिंह चौहान ने गांव की गोरी, हर्ष सैनी ने भारत की पुण्य भूमि गर्वित है, रश्मि मोयदे ने निराकार शिव भोले बाबा गौरी पति गंगा धारी, प्रो. अप्रतुल शुक्ला ने खरा कहने की जब से आदत हुई है, जमाने को हमसे शिकायत हुई है। विजयसिंह गहलोत साकित ने किस कदर सताती है आदमी को मजबूरी, जानवर बनाती है आदमी को मजबूरी।

ज्योति कलश रथ यात्रा शुभारंभ के लिए दो दिवसीय समारोह 25-26 फरवरी को

उज्जैन। अखिल विश्व गायत्री परिवार की संस्थापिका संरक्षिका माता भगवती देवी शर्मा के जन्मशताब्दी वर्ष, शांतिकुंज हरिद्वार में प्रज्जलित अखंड दीप की शताब्दी वर्ष एवं गुरुदेव वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पं. श्रीराम शर्मा आचार्य की प्रखर साधना आरंभ के 100 वर्ष 2026 में हो रहे हैं। इसी संदर्भ में माताजी के संदेश और अखंड दीप का आलोक घर-घर तक पहुंचाने के लिए मध्य प्रदेश झोन की ज्योति कलश रथ यात्रा का शुभारंभ महाशिवरात्रि 26 फरवरी को महाकाल की नगरी से होने जा रहा है। इसके पूर्ववेला में गायत्री शक्तिपीठ उज्जैन पर 25 फरवरी को दोपहर बाद शांतिकुंज हरिद्वार के प्रतिनिधियों के मार्गदर्शन में प्रदेश संगठन के उपझोन समन्वयकों, जिला समन्वयकों एवं प्रमुख ट्रस्टियों के लिए रथ यात्रा संचालन कार्यशाला का आयोजन होगा।

नाबालिक बच्चों का जबरन धर्मांतरण के खिलाफ दिया धरना

उज्जैन। मप्र युवा शिवसेना गोरक्षा न्यास, हिंदू टाइगर फोर्स, राष्ट्रीय हिंदू परिषद भारत, राष्ट्रीय बजरंग दल शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट, भारत रक्षा मंच उज्जैन के सैकड़ो हिंदूवादी कार्यकर्ताओं ने गौ रक्षा न्यास के संस्थापक हिंदू टाइगर फोर्स के राष्ट्रीय महासचिव मनीष सिंह चौहान की उपस्थिति में नाबालिक बच्चे का जबरन खतना कर इस्लामी धर्म कबूल करने के लिए मजबूर करने वाली उसकी मां व थाना प्रभारी मंदसौर महिला रानी बेग, ताहिर हुसैन, देवास के मुस्लिम धर्म गुरु के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया।

रानी बेग पति राजकुमार झंझोट की शादी के बाद दोनों के घर एक बच्चे का जन्म हुआ। इसका नाम प्रिंस झंझोट रखा गया। कुछ दिन बाद रानी बेग स्कूल से अपने बच्चों को डायरेक्ट देवास ले गई। अपने साथी ताहिर हुसैन व मुस्लिम धर्म गुरु के माध्यम से प्रिंस झंझोट को प्रिंस मलिक बना दिया व इसकी खतना कर दी। काफी शिकायत के बाद भी पुलिस द्वारा किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं होने पर हिंदू संगठन के द्वारा आईजी कार्यालय पहुंचकर धरना दिया गया और उज्जैन आईजी के नाम ज्ञापन सोपा गया और मांग की गई की रानी बेग और उनके साथियों के द्वारा नाबालिक बच्चे का जबरन धर्मांतरण किया गया है और असत्य दस्तावेज तैयार कर 420 की गई है। इन सभी के खिलाफ अपराधी मामला पंजीकृत कर रानी को तत्काल थाना प्रभारी पद से हटाया जाए। इस मौके पर बड़ी संख्या में वाल्मीकि समाज व अन्य हिंदू संगठन के कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे। मुख्य रूप से राष्ट्रीय हिंदू परिषद भारत के प्रदेश अध्यक्ष मुरली निगम, युवा राजकुमार झंझोट, आदर्श वाल्मीकि समाज के नगर जिला अध्यक्ष राकेश गिरजे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गुरु चरणजीत कोलोस्सिया, चंदू पहलवान टॉक, मनोज गोसर, लोकेश टोपे, गोरक्षा न्यास के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष हरि माली, प्रदेश संगठन प्रदेश उपाध्यक्ष करण सिंह दरबार आदि।

उज्जैन के घाटों की खूबसूरती बढ़ाई निरंकारी भक्तों ने

निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने दी जल संरक्षण की सीख

उज्जैन। निरंकारी बाबा हरदेव सिंह जी के जन्मदिवस को समर्पित पुनीत सेवा स्वच्छता अभियान में हर संत - भक्त को जल संरक्षण की दिशा में योगदान देने का अवसर मिला। प्रोजेक्ट अमृत' के अंतर्गत 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' परियोजना के तृतीय चरण का देशव्यापी स्वच्छता अभियान, न केवल घाटों और जलस्त्रोतों की स्वच्छता पर केंद्रित थी, बल्कि घरों में छोटी-छोटी आदतों के माध्यम से जल बचत को भी प्रोत्साहित करती है जिससे जल का सम्मान हो और यह अमूल्य संसाधन आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित रह सके।

उज्जैन के मीडिया सहायक विनोद गज्जर ने बताया कि सतुगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज की प्रेरणा से निरंकारी भक्तों ने स्वच्छता अभियान के तहत स्थानीय मुखी त्रिलोक बेलानी के साथ गोमती कुंड तथा उसके आसपास के क्षेत्र में जमी काई, कीचड़, प्लास्टिक कचरा आदि गंदगी को साफ कर स्वच्छ जल स्वच्छ मन का संदेश दिया। इस मौके पर नगर निगम उज्जैन से स्वास्थ्य निरिक्षक कुमार भाटी एवं रामघाट से सुपरवाइजर देवास वर्मा सहित स्थानीय लोगों ने निरंकारी मिशन के स्वच्छता अभियान से प्रभावित होकर प्रशंसा की और सतुगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज के प्रति आभार जताया।

उज्जैन के जोनल इंचार्ज राजकुमार गंगवानी ने बताया कि संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा, संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वाधान में बाबा हरदेव सिंह जी की अनंत शिक्षाओं से प्रेरणा लेते हुए इस पवित्र अभियान का आयोजन किया गया। इस वर्ष भी पूर्व की भांति ही 'आओ सवारें, यमुना किनारे' का उद्घोष करते हुए इस प्रयास को और व्यापक स्वरूप दिया गया।

स्वच्छता अभियान में सेवा करने वाले भक्तों को सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं सत्कार योग्य आदरणीय निरंकारी राजपिता रमित जी ने अपना पावन आशीर्वाद प्रदान किया।

दिल्ली के ग्राउंड नं 8 में एक विशाल सत्संग कार्यक्रम में सतगुरु माता जी ने जल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए समझाया कि पानी अमृत समान है, जिसे प्रकृति ने हमें जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण उपहार के रूप में प्रदान किया है। इसकी स्वच्छता और संरक्षण केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारी स्वाभाविक आदत होनी चाहिए। हम अक्सर अनजाने में अपशिष्ट और गंदगी को जल स्त्रोतों या अन्य स्थानों पर डालकर प्रदूषण को बढ़ावा देते हैं, जिससे पर्यावरण को हानि होती है। इसी चिंतन से प्रेरित होकर, 'प्रोजेक्ट अमृत' जैसी सामाजिक पहल की शुरुआत की गई है, जो जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

संत निरंकारी मंडल के सचिव एवं समाज कल्याण प्रभारी श्री जोगिंदर सुखीजा ने जानकारी देते हुए बताया कि देशभर में आयोजित हुई 'अमृत प्रोजेक्ट' परियोजना के दौरान सभी सुरक्षा मानकों का पूर्ण रूप से पालन किया गया। युवाओं की विशेष भागीदारी इस अभियान का प्रमुख आधार रही।

महाशिवरात्रि पर सिंधी समाज करेगा 31 क्विंटल साबूदाने की खिचड़ी, नमकीन छाछ एवं चाय का वितरण

उज्जैन। महाशिवरात्रि पर सिंधी समाज महामृत्युंजय द्वार पर 31 क्विंटल साबूदाने की खिचड़ी, नमकीन छाछ एवं चाय का वितरण करेगा।

उक्त निर्णय समाजसेवी महेश परयानी के नेतृत्व में श्री हाटकेश्वर पारद शिवलिंग पर आयोजित बोर्ड मीटिंग में लिया गया। प्रातः 8 से रात्रि 8 बजे तक साबूदाने की खिचड़ी, छाछ एवं स्वादिष्ट चाय प्रसादी का वितरण महामृत्युंजय द्वार पर किया जाएगा। मीडिया प्रभारी दीपक राजवानी ने बताया कि समाज में अलग-अलग वर्ग में सेवाएं सौंपी गई है जिनमें प्रातः 8 से 12:30 तक पूज्य इंदिरा नगर पंचायत, दोपहर 12 से 4:30 बजे तक पूज्य सिंधी कॉलोनी पंचायत, माधव नगर पंचायत, झूलेलाल महिला मंडल एवं साहिती पंचायत, दोपहर 4 से 8 तक एवं 31 क्विंटल खिचड़ी चाय एवं नमकीन छाछ वितरण होने तक पूज्य भाई बंध पंचायत, भारतीय सिंधु सभा महिला शाखा एवं सिंधी समाज के सदस्य एवं पदाधिकारी गण सेवाएं देंगे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com